राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक

क्रांति समय

कार्यालय ऑफिस

क्रांति समय दैनिक समाचार में
प्रेसनोट,नोटिस,वेपार संबंधित संपर्क करें
पता:- एस.टी.पी.आई-सुरत-395023
संपर्क नं.-9879141480
ईमेल:-info.krantisamay@gmail.com

सुरत गुजरात से प्रकाशित, मुंबई,उत्तरप्रदेश,बिहार,राजस्थान,मध्यप्रदेश,उत्तरांचल,उत्तराखंड,दिल्ली,हरियाणा में प्रसारीत

सुरत–गुजरात,संस्करण शनिवार, 08 अक्टूबर 2022 वर्ष–5,अंक–252 पृष्ठ–08 मूल्य–01रूपये

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

हरियाणा में पंचायत चुनाव की तारीखों का ऐलान

चंडीगढ़। हरियाणा राज्य चुनाव आयोग ने पंचायत चुनावों की घोषणा कर दी है. इसी के साथ प्रदेश में आदर्श आचार संहिता लागू हो गई है. शुक्रवार को जारी चुनाव आयोग की अधिसूचना के मुताबिक प्रदेश में जिला परिषद और ब्लॉक समितियों के लिए 30 अक्टूबर को चुनाव कराए जाएंगे. वहीं सरपंच और पंच के लिए 2 नवंबर को मतदान होंगे. इस संबंध में आठ अक्टूबर को नोटिफिकेशन जारी किया जाएगा. यह जानकारी राज्य निर्वाचन आयोग के मुख्य चुनाव अधिकारी धनपत सिंह ने पंचकुला में आयोजित प्रेस कांफ्रेंस में दी.

उन्होंने चुनावों की घोषणा करते हुए बताया कि पहले चरण में जींद, कैथल, महेंद्रगढ़, भिवानी, फतेहाबाद, झज्जर, नूंह, पंचकूला, पानीपत, यमुनानगर में चुनाव कराए जाएंगे. इसके लिए 14 अक्टूबर से नामांकन प्रक्रिया शुरू होगी. 19 अक्टूबर तक प्रत्याशी नामांकन कर सकेंगे. वहीं, 20 अक्टूबर को नामांकन पत्रों की जांच होगी और 21 अक्टूबर तक नामांकन पत्र वापस हो सकेंगे. उन्होंने बताया कि इसके बाद जिला परिषद और पंचायत समितियों के लिए 30 अक्टूबर को वोट डाले जाएंगे.

पंच सरपंच के चुनाव दो नवंबर को

सरपंच और पंच के लिए चुनाव 2 नवंबर को होंगे. बताया कि मतगणना उसी दिन और वहीं पर हो जाएगी. जबकि जिला परिषद और पंचायत समितियों की मतगणना बाकी जिलों में चुनाव खत्म होने के बाद कराई जाएगी. उन्होंने बताया कि बाकी जिलों के लिए बाद में चुनाव की तारीखों की घोषणा होगी.

कोर्ट से निर्धारित होंगे परिणाम

बता दें कि पंचायत चुनावों में आरक्षण का मामला कोर्ट में है.हरियाणा सरकार ने पंचायत चुनाव में बीसी-ए को 8त्न और महिलाओं को 50 प्रतिशत आरक्षण देने का प्रावधान किया था, लेकिन इस प्रावधान की वैधानिकता को कोर्ट में चुनौती दी गई है. इसका फैसला अभी आना बाकी है. यही वजह है कि यह चुनाव राज्य में करीब 21 महीने की देरी से कराए जा रहे हैं. अब चूंकि हाईकोर्ट ने सरकार को नए प्रावधानों के तहत चुनाव कराने की अनुमति दे दी है, लेकिन चुनाव परिणामों पर अंतिम निर्णय अभी भी कोर्ट के फैसले पर निर्भर है.

2016 में भी देर से हुए थे चुनाव

पंचायत चुनावों में केवल इस बार ही देरी नहीं हुई है. इससे पहले भी हरियाणा में पंचायत चुनाव जब वर्ष 2016 में कराए गए थे, तो उस समय भी छह महीने की देरी हुई थी. इस बार फरवरी 2021 में ही कार्यकाल पूरा होने पर पंचायतों को भंग कर दिया गया था. वहीं पंचायतों की जिम्मेदारी ख्रष्ठह्र को जिम्मेदारी सौंप दी गई थी.

किसी ने तालाब तो किसी ने पूरा पहाड़ करवा लिया अपने नाम, बिहार में लोगों ने श्मशान तक नहीं छोड़ा

पटना। बिहार में अतिक्रमण इतना व्यापक स्तर पर फैला हुआ है कि लोगों ने सरकारी जमीनें तो छोड़ो तालाब, पहाड़ और यहां तक कि श्मशान को भी नहीं छोड़ा। राज्य में अभी जमीन सर्वे का काम चल रहा है। इस दौरान बड़ी संख्या में सरकारी जमीन पर अतिक्रमण के मामले भी सामने आ रहे हैं। कई जगहों पर यह भी सामने आया है कि अंचल स्तरीय पदाधिकारियों या कर्मियों की भी मिलीभगत से अतिक्रमण हुआ है। जिस जमीन पर पहाड़ या तालाब है, उसका भी पर्चा किसी के नाम पर काट दिया गया। कुछ स्थानों पर दबंगों या संबंधित जमीन की देखरेख के लिए गठित कमेटी के सदस्यों ने ही जमीन बेच दी। कब्रिस्तान गैर-मजरूआ जमीन की श्रेणी में आते हैं। ग्राम सभा इसकी देखरेख करती है। कई स्थानों पर कमेटी ही इसे गलत तरीके से जमीन बेच रही है।

इन जगहों पर हुआ अवैध कब्जा–सर्वे में पता चला है कि मधुबनी और दरभंगा में एक व्यक्ति ने सार्वजनिक तालाब ही अपने नाम पर करवा लिया। शेखपुरा बाजार से थोड़ी दूरी पर कारे पंचायत में मौजूद एक पहाड़ को बालमुकुंद नाम के एक व्यक्ति ने अपने नाम पर लिखवा लिया। उसके पास इसका पर्चा भी है। इसी शहर में जखराज स्थान मोड़ के पास मौजूद श्मशान भूमि के बड़े हिस्से को स्थानीय व्यक्ति ने अपने नाम पर करा लिया। श्मशान के कुछ हिस्से की बंदोबस्ती भी कर दी गई है। मुजफ्फरपुर के कुढ़नी में भी श्मशान की जमीन पर कब्जा हो गया है। लखीसराय नगर क्षेत्र में सार्वजनिक तालाब पर कब्जा हो गया है। सोनपुर में टोपोलैंड की बंदोबस्ती कर दी गई है। सीवान के महाराजगंज अनुमंडल के दरौंदा स्टेशन से थोड़ी दूरी पर मौजूद एक तालाब को निजी जमीन की तरह किसी ने अपने नाम पर करवा रखा है। इस तरह के अब तक एक हजार से अधिक मामले सामने आ चुके हैं।

जामनगर व मुंबई से 120 करोड़ की एमडी ड्रग जब्त, एयर इंडिया का पूर्व पायलट गिरफ्तार

मुंबई। मुंबई नारकोटिक्स कंट्रोल ब्यूरो को फिर बड़ी कामयाबी मिली है। ब्यूरो ने गुजरात के जामनगर तथा मुंबई के एक गोदाम से 120 करोड़ रुपये मूल्य की 60 किलो मादक दवा मेफेड्रोन जब्त की है। मामले में एयर इंडिया के पूर्व पायलट समेत 6 लोगों को गिरफ्तार किया गया है। एनसीबी के उप महानिदेशक एसके सिंह ने शुक्रवार को यह जानकारी दी। सिंह ने बताया कि यह एमडी ड्रग मुंबई के एक गोदाम व जामनगर से जब्त की गई। मुखबिर की सूचना पर गोदाम पर छापा मारा गया। एनसीबी ने इस मादक पदार्थ के तस्कर गिरोह का पर्दाफाश कर सरगना समेत 6 लोगों को गिरफ्तार किया है।

एनसीबी के डीडीजी सिंह ने बताया कि आरंभ में जामनगर की नौसेना खुफिया इकाई ने एमडी ड्रग्स की खरीद-फरोख्त किए जाने की जानकारी दी थी। इस सूचना पर एनसीबी व नैवल इंटेलिजेंस यूनिट ने साझा रूप से काम किया। इस सूचना पर जामनगर से 10.350 किलोग्राम एमडी ड्रग्स जब्त किया गया।

आरोपी सोहेल गफ्फार एयर इंडिया में पायलट था

डीडीजी सिंह ने बताया कि जामनगर में गिरफ्तार दो में से एक आरोपी की पहचान सोहेल गफ्फार वर्ष 2016 से 18 के बीच एयर इंडिया का पायलट रहा था। आरंभिक जांच में पता चला है कि जामनगर व मुंबई में जब्त मादक पदार्थ मामले के तार जुड़े हुए हैं। उन्होंने बताया कि जब्त एमडी ड्रग का कुल वजन 60 किलोग्राम है। अंतरराष्ट्रीय बाजार में इसकी कीमत करीब 120 करोड़ रुपये है।

उन्होंने बताया कि एनसीबी मुख्यालय दिल्ली और मुंबई जोनल कार्यालय ने जामनगर में 3 अक्तूबर को छापा मारा था। जामनगर से मुंबई से तीन-तीन लोगों को गिरफ्तार किया गया है। दक्षिण मुंबई के एसबी रोड फोर्ट एरिया के गोदाम से 50 किलो एमडी ड्रग पकड़ी गई।

मुलायम की हालत अब भी नाजुक

बृजेश पाठक मेदांता पहुंचे, कहा-यूपी सरकार नेताजी की सेहत को लेकर चिंतित

गुरुग्राम/लखनऊ। यूपी के पूर्व मुख्यमंत्री और समाजवादी पार्टी के संरक्षक मुलायम सिंह यादव की हालत अभी भी नाजुक है। गुरुग्राम स्थित मेदांता अस्पताल में विशेषज्ञों की टीम मुलायम सिंह के इलाज में जुटी हुई है। बताया जा रहा है कि मेदांता अस्पताल दोपहर 12 बजे के बाद मुलायम का हेल्थ बुलेटिन जारी करेगा। इस बीच यूपी के डिप्टी सीएम बृजेश पाठक ने मेदांता पहुंचकर मुलायम सिंह का हाल जाना। उन्होंने कहा कि यूपी सरकार नेताजी की सेहत को लेकर चिंतित है। बृजेश पाठक ने कहा कि यूपी सरकार हर मदद के लिए तैयार है। उन्होंने डॉक्टरों और परिवार के सदस्यों से बात की। विश्वास जताया कि बहुत जल्द मुलायम सिंह यादव स्वस्थ होंगे। मुलायम सिंह पांच दिन से आईसीयू में ही भर्ती हैं। सपा प्रमुख अखिलेश यादव, शिवपाल यादव सहित परिवार के अन्य सदस्य दिल्ली में ही मौजूद हैं।

मुलायम सिंह को जीवन रक्षक दवाइयां दी जा रही हैं। उन्हें आईसीयू में शिफ्ट करने के बाद से सपा कार्यकर्ता लगातार अस्पताल आ रहे हैं। अखिलेश यादव ने कार्यकर्ताओं से अपील की है कि वे नेताजी के स्वास्थ्य के लिए ईश्वर से प्रार्थना करें। सपा संरक्षक की तबियत में सुधार के लिए उनके पैतृक गांव सैफई समेत प्रदेश के विभिन्न जिलों में विशेष प्रार्थनाएं और दुआएं की जा रही हैं।

दशहरे के दिन मस्जिद में घुसी भीड़, 'जय श्रीराम' के जयघोष के साथ पूजा करने का आरोप, 9 पर केस दर्ज

बेंगलुरु। कर्नाटक के बीदर में दशहरे के दिन लोगों की भारी भीड़ एक मस्जिद में घुस गई। इस दौरान लोगों ने वहां ना सिर्फ भारत माता की जय और जय श्रीराम के नारे भी लगाए, बल्कि मस्जिद के अंदर पूजा भी की। इस घटना का वीडियो सोशल मीडिया में वायरल हो गया। पुलिस ने महमूद गेवान मदरसा और मस्जिद के मैदान में कथित तौर पर प्रवेश करने और नारे लगाने के आरोप में नौ लोगों के खिलाफ मामला दर्ज किया है। वायरल वीडियो में भीड़ को मस्जिद के मैदान में प्रवेश करते दिखाया गया है। आपको बता दें कि इस मस्जिद को भारतीय पुरातत्व सर्वेक्षण के द्वारा विरासत स्थल घोषित किया जा चुका है। कथित तौर पर भीड़ 6 अक्टूबर को दशहरा पर पूजा करने के लिए वहां गई थी। मुस्लिम समुदाय के लोगों ने पुलिस में शिकायत दर्ज कर आरोप लगाया कि भीड़ ने गेट तोड़ने की कोशिश की और भारत माता की जय के नारे लगाए। उन्होंने यह भी आरोप लगाया कि भीड़ ने वहां मौजूद सुरक्षाकर्मी को धमकाया और मस्जिद की दीवार पर कचरा फेंक दिया। शिकायतकर्ताओं ने आरोपियों की गिरफ्तारी नहीं होने पर शुक्रवार को अपना विरोध प्रदर्शन तेज करने की भी चेतावनी दी है। इसके बाद पुलिस ने नौ लोगों के खिलाफ प्राथमिकी दर्ज की। हालांकि अभी तक किसी की गिरफ्तारी नहीं हुई है।

पुलिस अधीक्षक डेक्का किशोर बाबू ने कहा, मस्जिद परिसर के अंदर एक मीनार है। दशहरे के दिन यहां आमतौर पर 2-4 लोग आते हैं लेकिन इस बार अधिक संख्या में लोग प्रवेश किए। मस्जिद में प्रवेश करने के लिए किसी ने भी अवैध रूप से ताला नहीं तोड़ा। हमने प्राथमिकी दर्ज की है और बदमाशों को गिरफ्तार किया जाएगा। गुलबर्गा के पुलिस महानिरीक्षक ने कहा कि सालों से मस्जिद के पास जाकर हिंदू एक पेड़ की पूजा करते आ रहे हैं। इस बार वहां कोई पेड़ नहीं था। उन्होंने कहा, हमें नहीं पता कि उसके बाद क्या हुआ। इस मस्जिद के पास हिंदुओं का जाना कोई नई बात नहीं है। हर विजयादशमी पर वे पूजा के लिए जाते हैं।

मशहूर अभिनेता अरुण बाली का 79 वर्ष की आयु में निधन

मुंबई। कई शानदार फिल्मों में काम कर चुके मशहूर अभिनेता अरुण बाली (79) अब हमारे बीच नहीं रहे। शुक्रवार तड़के 4:30 बजे उनका निधन हो गया। वह लंबे समय से बीमार थे। कुछ माह पहले उन्हें अस्पताल में भर्ती कराया गया था। प्रशंसकों ने सोशल मीडिया पर उनकी आत्मा की शांति के लिए प्रार्थना की है। उन्होने अपने शानदार करियर में कई ऐसी फिल्में की हैं जो कि याद रखी जाएंगी। उनकी फिल्मों में 3 इडियट्स, पीके, केदारनाथ, जमीन और सौगंध आदि हैं। वह शानदार अभिनेता होने के साथ साथ कमाल के इंसान भी थे। अरुण बाली ने अपने करियर में शाहरुख खान, अक्षय कुमार और सुशांत सिंह राजपूत जैसे सितारों के साथ काम किया है।

शराब घोटाला केस में ईडी की छापेमारी, दिल्ली-एनसीआर और पंजाब में 36 जगहों पर मारी रेड

नई दिल्ली। दिल्ली के शराब घोटाला मामले में प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) की कार्रवाई जारी है। शराब घोटाला मामले में ईडी की टीम शुक्रवार सुबह से छापेमारी कर रही है। ईडी की टीम दिल्ली और पंजाब और अन्य राज्यों में छापेमारी कर रही है। शराब घोटाला मामले में इन दोनों राज्यों में करीब 36 जगहों पर छापेमारी की जा रही है।

अब तक दो आरोपी गिरफ्तार

बता दें कि इस मामले में शराब कारोबारी समीर महेंद्रू और आम आदमी पार्टी के संचार प्रभारी विजय नायर को गिरफ्तार किया जा चुका है। शराब घोटाला केस में 17 अगस्त को एफआईआर दर्ज की गई थी। सीबीआई के मुताबिक, नायर ने नई आबकारी नीति बनाने और शराब की सप्लाई और बिक्री को चंद कंपनियों तक सीमित करने की धांधली में अहम भूमिका निभाई थी। इस सिलसिले मे दिल्ली के डिप्टी सीएम मनीष सिसोदिया के घर भी छापेमारी की जा चुकी है।

बता दें कि इस मामले में शराब कारोबारी समीर महेंद्रू और आम आदमी पार्टी के संचार प्रभारी विजय नायर को गिरफ्तार किया जा चुका है। शराब घोटाला केस में 17 अगस्त को एफआईआर दर्ज की गई थी। सीबीआई के मुताबिक, नायर ने नई आबकारी नीति बनाने और शराब की सप्लाई और बिक्री को चंद कंपनियों तक सीमित करने की धांधली में अहम भूमिका निभाई थी।

दिल्ली के उप राज्यपाल ने की थी जांच की सिफारिश

गौरतलब है कि दिल्ली की नई आबकारी नीति पर सवाल उठाए जा रहे थे। इसको देखते हुए उप राज्यपाल विनय कुमार सक्सेना ने मामले की सीबीआई जांच की सिफारिश की थी। उनकी सिफारिश के बाद केंद्रीय जांच एजेंसी ने बड़े पैमाने पर तलाशी अभियान शुरू किया था।

शराब घोटाला केस को लेकर भाजपा और आम आदमी पार्टी में जुबानी जंग भी जारी है। आम आदमी पार्टी का कहना है कि भाजपा पार्टी की लोकप्रियता से बौखला गई है, इसीलिए छापेमारी की जा रही है। वही, भाजपा नेताओं ने मनीष सिसोदिया को डिप्टी सीएम के पद से हटाने की मांग की है।

12 नवंबर को किया जाएगा राष्ट्रीय लोक अदालत का आयोजन, लंबित उपभोक्ता मामलों की होगी सुनवाई

नई दिल्ली। उपभोक्ता मामलों का मंत्रालय लंबित उपभोक्ता वादों को निपटाने के लिए 12 नवंबर को होने वाली राष्ट्रीय लोक अदालत में भेजेगा। मंत्रालय ने एक आधिकारिक बयान में कहा कि आपसी सहमति के जरिये लंबित उपभोक्ता वादों के निपटान के लिए 12 नवंबर को देशभर में राष्ट्रीय लोक अदालत का आयोजन किया जाएगा। इस अदालत में बड़ी संख्या में लंबित वादों का निपटारा होने की उम्मीद है।

इसमें कहा गया कि इस अभ्यास के लिए जमीनी कार्य शुरू कर दिया गया है और सभी उपभोक्ता आयोगों को उन मामलों की पहचान करने और सूची तैयार करने के लिए सूचित किया गया है जहां निपटान की संभावना है और जिन्हें लोक अदालत में भेजा जा सकता है।

प्रेस विज्ञप्ति में बताया गया कि लोक अदालत प्रणाली के लाभों और पार्टियों के बीच आपसी समझौते को ध्यान में रखते हुए बड़ी संख्या में उपभोक्ता मामलों के निपटारे की उम्मीद है।

उपभोक्ताओं के 200 लंबित मामले

मंत्रालय ने कहा, अधिकतम आउटरीच और उपभोक्ताओं को लाभान्वित करने के लिए, विभाग एसएमएस और ईमेल के माध्यम से उपभोक्ताओं, कंपनियों और संगठनों तक

पहुंच रहा है। विभाग के पास तीन लाख पार्टियों के फोन नंबर और ईमेल हैं जिनके मामले आयोग में लंबित हैं।

इसके अलावा उपभोक्ता आयोगों के साथ एक वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग की गई है जिसमें 200 से अधिक लंबित मामले हैं। यह एक अलग लिंक बना रहा है और इसे सभी हितधारकों के बीच प्रसारित कर रहा है। इससे वे अपने लंबित केस नंबर और कमीशन दर्ज कर सकते हैं जहां मामला लंबित है और मामले को आसानी से लोक अदालत में भेज सकते हैं। लिंक ईमेल और एसएमएस के माध्यम से प्रसारित किया जाएगा।

क्या कहते हैं आंकड़े

आधिकारिक आंकड़ों की मानें तो लगभग 1.7 लाख मामले बीमा कंपनियों से संबंधित हैं और 71,379 शिकायतें बैंकों के खिलाफ लंबित हैं। बिजली क्षेत्र से संबंधित शिकायतों की कुल संख्या लगभग 34,000 है।

अधिकारियों ने बताया कि विभाग उपभोक्ता आयोगों में मामलों के निपटारे की लगातार निगरानी कर रहा है। आने वाली राष्ट्रीय लोक अदालत के माध्यम से निपटाए जाने वाले लंबित उपभोक्ता मामलों को शामिल करने के लिए राष्ट्रीय कानूनी सेवा प्राधिकरण (एनएएलएसए) के साथ सहयोग की प्रक्रिया चल रही है। इस संबंध में राष्ट्रीय कानूनी सेवा प्राधिकरण को पहले ही जानकारी की जा चुकी है।

देश में करीब 6 लाख से ज्यादा मामले

देश में करीब 6,07,996 उपभोक्ता मामले लंबित हैं। एनसीडीआरसी में करीब 22,250 मामले लंबित हैं। 28,318 मामलों के साथ उत्तर प्रदेश, 18,093 लंबित मामलों के साथ महाराष्ट्र, 15,450 लंबित मामलों के साथ दिल्ली, 10,319 के साथ मध्य प्रदेश, और 9,615 लंबित मामलों के साथ कर्नाटक, कुछ ऐसे राज्य हैं जहां सबसे अधिक लंबित मामले हैं।

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

संपादकीय

कश्मीर में बगावत का झंडा उठानेवाले और राज करनेवाले स्थानीय नेतागण केंद्र से मिलनेवाली अरबों-खरबों की धनराशि का जितना इस्तेमाल लोक-कल्याण के लिए करते थे, उससे कई गुना ज्यादा अब होने लगा है। अमित शाह ने कहा है कि पिछले 70 साल में कश्मीर में केंद्र की ओर से सिर्फ 15000 करोड़ रू. लगाए गए थे जबकि अब पिछले तीन साल में 56000 करोड़ रुपयों का विनिवेश हुआ है।

कश्मीरः अमित शाह की दो-टूक बातें

(लेखक-डॉ. वेदप्रताप वैदिक)

गृहमंत्री अमित शाह ने बारामूला में 10 हजार से ज्यादा लोगों की सभा को संबोधित किया, यही अपने आप में बड़ी बात है। उनका यह भाषण एतिहासिक और अत्यंत प्रभावशाली था। हमारे नेता लोग तो डर के मारे कश्मीर जाना ही पसंद नहीं करते लेकिन इस साल कश्मीर में यात्रियों की संख्या 22 लाख रही जबकि पिछले कुछ वर्षों में 5-6 लाख से ज्यादा लोग वहां नहीं जाते थे। बारामूला की जनसभा और यात्रियों की बढ़ी हुई संख्या ही इस बात के प्रमाण हैं कि कश्मीर के हालात अब बेहतर हुए हैं, खास तौर से 2019 में धारा 370 के हटने के बाद से! लगभग सभी कश्मीरी नेताओं ने धारा 370 हटाने का बहुत जमकर विरोध किया था लेकिन आजकल उनकी हवा निकली पड़ी है, क्योंकि कश्मीर के हालात में पहले से बहुत सुधार है। मनोज सिंहा के उप-राज्यपाल रहते हुए कश्मीर में अब भ्रष्टाचार करने की किसी की हिम्मत ही नहीं पड़ती। कश्मीर में बगावत का झंडा उठानेवाले और राज करनेवाले स्थानीय नेतागण केंद्र से मिलनेवाली अरबों-खरबों की धनराशि का जितना इस्तेमाल लोक-कल्याण के लिए करते थे, उससे कई गुना ज्यादा अब होने लगा है। अमित शाह ने कहा है कि पिछले 70 साल में कश्मीर में केंद्र की ओर से सिर्फ 15000 करोड़ रू. लगाए गए थे जबकि अब पिछले तीन साल में 56000 करोड़ रुपयों का विनिवेश हुआ है। कई अस्पताल, विश्वविद्यालय, स्कूल, पंचायत भवन आदि खड़े कर दिए गए हैं। पहले कश्मीर का लोकतंत्र सिर्फ 87 विधायकों, 6 सांसदों और दो-तीन परिवारों तक ही सीमित था लेकिन अब 30,000 पंचों और सरपंचों को भी स्थानीय विकास के अधिकार मिल चुके हैं। आतंकवादियों ने कुछ पंचों की हत्या भी कर दी थी लेकिन पंचायत के चुनावों में जन-उत्साह देखने लायक था। अमित शाह ने अपने भाषण में कश्मीर के पिछड़ेपन के लिए तीन परिवारों को जिम्मेदार ठहराया है। गांधी-नेहरु परिवार, अब्दुल्ला और मुफ्ती परिवार! इन तीनों परिवारों ने कश्मीर पर अपना लगभग एकाधिकार बना रखा था, यह तथ्य है लेकिन हम यह न भूलें कि इनमें से किसी ने भी कश्मीर को भारत से अलग करने का नारा नहीं दिया है। वरना, कांग्रेस और भाजपा इनके साथ मिलकर वहां सरकारें क्यों बनातीं? कश्मीर के अलगाववादी नेताओं से भी मेरा गहन संपर्क रहा है, उनमें से एकाध अपवाद को छोड़कर कभी किसी ने कश्मीर को पाकिस्तान में मिलाने की बात नहीं की है। अमित शाह ने सरकार की इस नीति को दो-टूक शब्दों में दोहराया है कि जब तक आतंकवाद जारी है, पाकिस्तान से भारत बात नहीं करेगा। मेरी राय यह है कि जब पांडव और कौरव महाभारत युद्ध के दौरान बात करते थे और अब नरेंद्र मोदी यूक्रेन के सवाल पर पूतिन और झेलेंस्की से बात करने का आग्रह कर रहे हैं तो हम पाकिस्तान से बात बंद क्यों करें? मैं तो शाहबाज शरीफ और नरेंद्र मोदी दोनों से कहता हूं कि वे बात करें। वे खुद बात करने के पहले कुछ गैर-सरकारी माध्यमों के जरिए संपर्क करें। जैसे हमने संकटग्रस्त श्रीलंका और तालिबानी अफगानिस्तान की मदद की, वैसी ही मुसीबत में फंसे पाकिस्तानी लोगों की मदद के लिए भी हाथ आगे बढ़ाएं।

कार्टून

लॉफिंग ज़ोन

एक कवि ने अपनी कविता एक पत्रिका के सम्पादक को छपाने भेजी जिसका शीर्षक था 'मैं जिंदा क्यों हूं?'

सम्पादक ने उसकी कविता वापस भेजते हुए एक चिट अपनी ओर से लगा दी जिस पर लिखा था, 'इसलिए कि यह कविता आपने डाक द्वारा भेजी है।'

□ □ □

एक नेता जी का चुनाव निशान 'साइकिल' था। वह साइकिल पर सवार होकर वोट मांग रहे थे और लोंगो को अपना चुनाव निशान भी बताते जाते थे। एक घर के दरवाजे के बाहर बैठी बुढ़िया से उन्होंने कहा, 'माता जी मेरे साइकिल का ख्याल रखना।' बुढ़िया बोली, 'बेटा ताला लगाकर रखा करो आजकल चोरियां बहुत होती हैं।'

□ □ □

हर भगवान (नौकर से), 'तुम अच्छी तरह काम नहीं करते। मजबूरन अब मुझे दूसरा नौकर रखना पड़ेगा।'

नौकर, 'अवश्य रखिए हजूर। यह काम ही दो नौकरों का है।'

□ □ □

मरीज, 'डॉक्टर साहब आपके कहने पर मैंने फल छिलके समेत खा लिए। उसके कुछ देर बाद ही ऐसे दर्द शुरू हुआ कि जान निकलने को आ रही हैं।'

डॉक्टर, 'कौन-सा फल खाया?'

मरीज, 'नारियल का फल।'

पूरी दुनिया देखेगी भारतीय वायुसेना की ताकत

लेखक - योगेश कुमार गोयल

आसमान में देश की सुरक्षा की जिम्मेदारी पूरी तरह भारतीय वायुसेना के ही हाथों में होती है, इसलिए दुश्मन देशों की चुनौतियों का मुंहतोड़ जवाब देने के लिए वायुसेना को लगातार मजबूती प्रदान करना बेहद जरूरी है। भारत के लिए गर्व की बात है कि भारतीय वायुसेना को अब दुनिया की चौथी बड़ी सैन्यशक्ति वाली वायुसेना माना जाता है। वायुसेना का ध्येय वाक्य है 'नभः स्पृशं दीप्तम' अर्थात् आकाश को स्पर्श करने वाले दैदीप्यमान।

(भारतीय वायुसेना के 90वें स्थापना दिवस (8 अक्टूबर) पर विशेष)

8 अक्टूबर को भारतीय वायुसेना अपना 90वां स्थापना दिवस मना रही है। प्रतिवर्ष इस विशेष अवसर पर हिंडन एयरबेस में एक भव्य एयर-शो का प्रदर्शन किया जाता है लेकिन इस बार वायुसेना दिवस समारोह दिल्ली एनसीआर के बाहर चंडीगढ़ में आयोजित किया जा रहा है, जिसमें होने वाले एयर शो में कुल 83 एयरक्राफ्ट शामिल हो रहे हैं। एयर शो के दौरान रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह और तीनों सेना प्रमुखों के साथ राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित रहेंगी। इस बार वायुसेना के 90वें स्थापना दिवस पर चंडीगढ़ में सुखना झील परिसर में वायुसेना दिवस 'फ्लाई-पास्ट' के लिए तैनात किए जाने वाले विमानों और हेलीकॉप्टरों में नए लाइट कॉम्बैट हेलीकॉप्टर भी शामिल हैं और वायुसेना के बेड़े में हाल ही में शामिल हुआ भारत का पहला स्वदेशी हल्का लड़ाकू हेलीकॉप्टर 'प्रचंड' भी एयर शो के दौरान अपनी हवाई शक्ति का प्रदर्शन करेगा। आसमान में देश की सुरक्षा की जिम्मेदारी पूरी तरह भारतीय वायुसेना के ही हाथों में होती है, इसलिए दुश्मन देशों की चुनौतियों का मुंहतोड़ जवाब देने के लिए वायुसेना को लगातार मजबूती प्रदान करना बेहद जरूरी है। भारत के लिए गर्व की बात है कि भारतीय वायुसेना को अब दुनिया की चौथी बड़ी सैन्यशक्ति वाली वायुसेना माना जाता है। वायुसेना का ध्येय वाक्य है 'नभः स्पृशं दीप्तम' अर्थात् आकाश को स्पर्श करने वाले दैदीप्यमान। भारतीय वायुसेना देश की करीब 24 हजार किलोमीटर लंबी अंतर्राष्ट्रीय सीमा की सुरक्षा की जिम्मेदारी पूरी मुस्तैदी के साथ निभाती है। राफेल सहित कुछ और शक्तिशाली लड़ाकू विमानों, हेलीकॉप्टरों तथा अत्याधुनिक मिसाइलों के वायुसेना की विभिन्न स्क्वाड्रनों में शामिल होने से हमारी वायुसेना कई गुना शक्तिशाली हो चुकी है। वायुसेना की युद्धक क्षमताएं बढ़ने से हम हवा में पहले से बहुत ज्यादा मजबूत हुए हैं तथा दुश्मन की किसी भी तरह की हरकत का पहले से अधिक तेजी और ताकत के साथ जवाब देने में सक्षम हुए हैं। पड़ोसी देशों की फितरत को देखते हुए अत्याधुनिक तकनीकों से सुसज्जित एयरक्राफ्ट तथा लड़ाकू विमान वायुसेना में शामिल किए जाने की प्रक्रिया लगातार जारी है। हमारी वायुसेना आज इतनी ताकतवर हो चुकी है कि इसमें फाइटर एयरक्राफ्ट, मल्टीरोल एयरक्राफ्ट, हमलावर एयरक्राफ्ट तथा हेलीकॉप्टरों सहित 2200 से अधिक एयरक्राफ्ट तथा करीब 900 कॉम्बैट एयरक्राफ्ट शामिल हो चुके हैं। भारतीय वायुसेना की स्थापना ब्रिटिश शासनकाल में 8 अक्तूबर 1932 को हुई थी और तब इसका नाम था 'रॉयल इंडियन एयरफोर्स'। 1945 के द्वितीय विश्वयुद्ध में रॉयल इंडियन एयरफोर्स ने महत्वपूर्ण भूमिका निभाई थी। उस समय वायुसेना पर आर्मी का ही नियंत्रण होता था। इसे एक स्वतंत्र इकाई का दर्जा दिलाया था इंडियन एयरफोर्स के पहले कमांडर-इन-चीफ सर थॉमस डब्ल्यू एल्महर्स्ट ने, जो हमारी वायुसेना के पहले चीफ एयर मार्शल बने थे। 'रॉयल इंडियन एयरफोर्स' की स्थापना के समय इसमें केवल चार एयरक्राफ्ट थे और इन्हें संभालने के लिए कुल 6 अधिकारी और 19 जवान थे। आज वायुसेना में डेढ़ लाख से भी अधिक जवान और हजारों एयरक्राफ्ट्स हैं। स्वतंत्रता प्राप्ति के पश्चात् वायुसेना को अलग पहचान मिली और 1950 में 'रॉयल इंडियन एयरफोर्स' का नाम बदलकर 'इंडियन एयरफोर्स' कर दिया गया। एयर मार्शल सुब्रतो मुखर्जी इंडियन एयरफोर्स के पहले भारतीय प्रमुख थे। उनसे पहले तीन ब्रिटिश ही वायुसेना प्रमुख रहे। इंडियन एयरफोर्स का पहला विमान ब्रिटिश कम्पनी 'वेस्टलैंड' द्वारा निर्मित 'वापिती-2ए' था।

भारतीय वायुसेना चीन के साथ एक तथा पाकिस्तान के साथ चार युद्धों में अपना पराक्रम दिखा चुकी है। द्वितीय विश्वयुद्ध के पश्चात् 1947 में भारत-पाक युद्ध, कांगो संकट, ऑपरेशन विजय, 1962 में भारत-चीन तथा 1965 और 1971 में भारत-पाक युद्ध, ऑपरेशन मेघदूत, ऑपरेशन पूमलाई, ऑपरेशन पवन, ऑपरेशन कैक्टस, 1999 में कारगिल युद्ध इत्यादि में अपनी वीरता का असीम परिचय देते हुए वायुसेना ने हर तरह की विकट परिस्थितियों में भारत की आन-बान की रक्षा की। इस समय राफेल, सी-17 ग्लोबमास्टर, सी-130जे सुपर हरक्युलिस, मिराज, जगुआर, सुखोई, मिग-21 बायसन, मिग-29, चिनूक, अपाचे तथा कई अन्य अत्याधुनिक लड़ाकू विमान, हेलीकॉप्टर और मिसाइलें भारतीय वायुसेना की बेमिसाल ताकत बने हैं और आगामी वर्षों में तेजस, कॉम्बैट हेलीकॉप्टर, ट्रेनर एयरक्राफ्ट सहित कई और ताकतवर हथियार वायुसेना की अभेद्य ताकत बनेंगे। राफेल तथा एलसीए मार्क-1 स्क्वाड्रन भी पूरी ताकत के साथ शुरू हो जाएंगी।

तत्कालीन वायुसेना प्रमुख आरकेएस भदौरिया के मुताबिक देश के समक्ष उभर रही चुनौतियों ने हमें भारतीय वायुसेना की क्षमताओं को मजबूत करने के लिए अधिकृत किया है और हमारी क्षमताओं ने विरोधियों को चौंकाया है। दरअसल भारतीय वायुसेना ने समय के साथ बहुत तेजी से बदलाव किए हैं और काफी हद तक कमियों को दूर भी किया गया है। रक्षा विशेषज्ञों के अनुसार भारत किसी भी खतरे से निपटने और दोनों मोर्चों पर युद्ध करने के लिए पूरी तरह तैयार है तथा वायुसेना उत्तरी और पश्चिमी सीमाओं के साथ दोतरफा युद्ध से निपटने के लिए भी तत्पर है। बहरहाल, डीआरडीओ तथा एचएएल के स्वदेशी उत्पादन वायुसेना की ताकत को निरन्तर बढ़ाने में महत्वपूर्ण योगदान दे रहे हैं। आने वाले समय में 83 हल्के लड़ाकू विमान (एलसीए) तेजस (मार्क-1ए), 114 एमआरएफए विमानों की खरीद प्रक्रिया पूरी हो जाने के बाद तो वायुसेना की ताकत कई गुना बढ़ जाएगी। (लेखक वरिष्ठ पत्रकार तथा सामरिक मामलों के जाने-माने विश्लेषक हैं)

आर्थिकी को भी उत्सव बना देते हैं पर्व

सतीश सिंह

भारत उत्सवधर्मियों का देश है। यहां त्योहारों को उत्सव की तरह मनाने का चलन है। त्योहार लोगों के जीवन में उल्लास का रंग भर देते हैं, साथ ही साथ देश की आर्थिकी को भी मजबूत करने का काम करते हैं। ये रोजगार सृजन के भी स्रोत हैं। त्योहारों से स्थायी रोजगार सृजित नहीं होते हैं, लेकिन स्थानीय कामगारों, कलाकारों और शिल्पकारों को अस्थायी तौर पर कुछ दिनों या कुछ महीनों के लिए जरूर रोजगार मिल जाता है। इससे निजी अंतिम उपभोग में इजाफा होता है, जिससे मांग और आपूर्ति में बेहतरी आती है। साथ ही, विविध क्षेत्रों में आर्थिक गतिविधियों में इजाफा होता है। पश्चिम बंगाल और पूर्वी भारत के बिहार, झारखंड और ओडिसा में दुर्गा पूजा पर्व विशेष रूप से मनाया जाता है। दुर्गा पूजा के उत्सव में प्रतिमा बनाने वाले कुम्हार, दुर्गा मां के जेवर बनाने वाले कलाकार, नाटक करने वाले कलाकार, नृत्य-संगीत, होटल, रेस्टोरेंट, पर्यटन आदि उद्योगों को बढ़ावा मिलता है। यूनेस्को ने 2021 में दुर्गा पूजा को 'अमूर्त सांस्कृतिक विरासत' घोषित कर दिया है, जिससे विदेशी पर्यटकों के आने की संभावना बढ़ी है। कोलकाता के रहवासियों ने यूनेस्को के प्रति अपनी कृतज्ञता एक कार्निवल आयोजित करके प्रकट की है। वर्ष 2019 में पश्चिम बंगाल में लगभग 43,000 दुर्गा प्रतिमाओं का निर्माण किया गया था, जिससे कारोबार को अकूत बल मिला था। वर्ष 2019 में दुर्गा पूजा के दौरान हुए कारोबार पर ब्रिटिश काउंसिल ने एक अध्ययन किया है, जिसके अनुसार वर्ष 2019 के दौरान दुर्गा पूजा में 32,377 करोड़ रुपये का व्यापार हुआ, जो पश्चिम बंगाल के सकल घरेलू उत्पाद (जीडीपी) का 2.58 प्रतिशत था। इस राशि में खुदरा क्षेत्र की हिस्सेदारी 27,364 करोड़ रुपये की थी। एक अनुमान के अनुसार, इस साल देश में दुर्गा पूजा के दौरान लगभग 1.25 से 1.5 लाख करोड़ रुपये का कारोबार होने का अनुमान है। इस साल 40000 से अधिक पूजा पंडाल कोलकाता में बने। ममता दीदी की सरकार ने पंडाल निर्माण हेतु सभी पूजा समितियों को 60,000 रुपये (प्रत्येक) का अनुदान दिया। साथ ही, पूजा के दौरान खपत होने वाली बिजली पर 60 प्रतिशत की छूट देने की घोषणा की है। चूंकि, अब कोरोना महामारी का डर खत्म हो चुका है। इसलिए, पश्चिम बंगाल में इस साल दुर्गा पूजा लोगों ने बढ़-चढ़ कर मनायी। इस साल पूजा में 40 से 45 हजार करोड़ रुपये खर्च होने का अनुमान है। बिहार की राजधानी पटना में 3000 से अधिक पंडाल बनाये गये थे। प्रतिमा, पंडाल और लाइटिंग में 125 करोड़ रुपये से अधिक खर्च हुए। पंडालों के निर्माण में 2.5 लाख रुपये से 10 लाख रुपये तक खर्च किए गए। छोटे पंडालों की संख्या 1600 थी, मझौले पंडालों की संख्या 1100 और बड़े पंडालों की संख्या 300 रही। पंडाल, लाइटिंग और पूजा की सामग्रियों की कीमतों में लगभग 25 प्रतिशत का इजाफा हुआ है। फिर भी, पूजा समितियों ने पूरे उत्साह से दुर्गा पूजा का आयोजन किया है। झारखंड की राजधानी रांची में इस साल दुर्गा पूजा पर 386 करोड़ रुपये खर्च होने का अनुमान रहा, क्योंकि झारखंड में दुर्गा पूजा के दौरान नये वाहन खरीदने की प्रथा है। रांची में इस साल पूजा के दौरान 3000 से अधिक दोपहिया वाहन बेचे जाने का अनुमान रहा। कोरोना काल के बाद दुर्गा पूजा के लिए धन का सबसे प्रमुख स्रोत प्रायोजन है। बैंकों से लेकर रोजमर्रा के इस्तेमाल में कारोबार करने वाली कंपनियों, उपभोक्ता सामान से जुड़ी कंपनियों ने इस वर्ष दुर्गा पूजा को प्रायोजित किया है। नामचीन पूजा पंडाल, पंडाल के द्वार, खंभे, बैनर और स्टॉल प्रायोजन के लिए मुहैया करवाते हैं। विज्ञापन से भी दुर्गा पूजा के लिए पैसे आते हैं। इस वर्ष दीवाली पूरे देश में 24 अक्तूबर को धूमधाम से मनायी जायेगी। दीवाली में लक्ष्मी मां की

पूजा की जाती है, जिन्हें धन की देवी माना जाता है। इस त्योहार में दोस्तों और रिश्तेदारों के बीच मिठाइयों का आदान-प्रदान किया जाता है। कुम्हार दीये और खिलौने बनाते हैं।

लोग पटाखे जलाकर खुशी का इजहार करते हैं, जिसके कारण पटाखे का कारोबार बड़े पैमाने पर किया जाता है। हालांकि, धीरे-धीरे इस त्योहार में स्वदेशी की जगह चीन में बने दीये, खिलौने और लक्ष्मी मां की मूर्तियों ने भारतीय बाजार पर कब्जा कर लिया है। दीवाली से दो दिन पहले धनतेरस का त्योहार मनाया जाता है। इस दिन सोना, चांदी और धातु के बर्तन खरीदने का रिवाज है। नए वाहन भी इस त्योहार में खूब खरीदे जाते हैं। अखिल भारतीय व्यापार परिसंघ (सीएआईटी) द्वारा जारी आंकड़ों के अनुसार, कोरोना महामारी के बावजूद वर्ष 2021 में दीवाली के दौरान 1.25 लाख करोड़ रुपये का कारोबार किया गया था, जो विगत 10 सालों का रिकॉर्ड था। सीएआईटी के मुताबिक देशभर में चीनी उत्पादों के बहिष्कार की मुहिम चलाये जाने की वजह से चीन को वर्ष 2019 में लगभग 50 हजार करोड़ रुपये का नुकसान हुआ था और स्थानीय कारीगरों, शिल्पकारों, कुम्हारों आदि की कमाई में तेजी आई थी। सीएआईटी के अनुमान के अनुसार दीवाली में कुल कारोबार 1.5 से 1.75 लाख करोड़ रुपये की सीमा को पार कर सकता है, क्योंकि विगत 2 सालों से आमजन कोरोना महामारी की वजह से परेशान थे। लेकिन इस साल वे खुद को उत्सव के रंग में सराबोर करना चाहते हैं।

(चिंतन-मनन)

कौन है नीतिनिष्ठ व्यक्ति?

दुख एक मानसिक कल्पना है। कोई पदार्थ, व्यक्ति या क्रिया दुख नहीं है। संसार के सब नाम-रूप गधा-हाथी, स्त्री-पुरुष, पशु-पक्षी, वृक्ष-लता आदि खिलौने हैं। हम अपने को खिलौना मानेंगे तो गधा या हाथी होने का सुख-दुख होगा, अपने को स्वर्ण, मूल्यधातु देखेंगे तो यह मनुष्य देह नहीं रहेंगे। हम विराट् हैं, साक्षात् ब्रह्म है। जो मनुष्य इस जगत प्रपंच को सत्य देखता है, उसे माया ने ठग लिया है। जो पहले भी नहीं थे, आगे भी नहीं रहेंगे, बीच में थोड़ी देर को दिखाई दे रहे हैं, उन्हीं को सब कुछ समझ कर माया मोहित मनुष्य व्यवहार कर रहा है। तत्वज्ञान शिक्षा देता है कि जो कुछ दिखाई दे, उसे दिखाई देने दो, जो बदलता है, उसे बदलने दो, जो आता-जाता है, उसे आने जाने दो। यह सब जादू का खेल है।

ये हि संस्पर्शजा भोगा दुःखयोनय एव ते। आद्यन्तवन्तः कौन्तेय न तेषु रमते बुधः।

पुराणों में एक कथा आती है- महाराज जनक के जीवन में कोई भूल हो गई थी। मरने पर उन्हें यमलोक जाना पड़ा। वहां उससे कहा गया- नरक चलो। महाराज जनक तो ब्रह्मज्ञानी थे। उन्हें क्या स्वर्ग, क्या नरक। वे प्रसन्नतापूर्वक चले गए। नरक में पहुंचे तो चारों ओर से पुकार आने लगी- 'महाराज जनक जी! तनिक यहीं ठहर जाइए।'

महाराज जनक ने पूछा- 'यह कैसा शब्द है?'

यमदूतों ने कहा-'नरक के प्राणी चिल्ला रहे हैं।'

जनक ने पूछा-'क्या कह रहे हैं ये?'

यमदूत बाले-'ये आपको रोकना चाहते हैं।'

जनक ने आश्चर्य से पूछा-'ये मुझे यहां क्यों रोकना चाहते हैं?'

यमदूत बोले- 'ये पापी प्राणी अपने-अपने पापों के अनुसार यहां दारुण यातना भोग रहे हैं। इन्हें बहुत पीड़ा थी। अब आपके शरीर को स्पर्श करके पुण्य वायु इन तक पहुंची तो इनकी पीड़ा दूर हो गई। इन्हें इससे बड़ी शांति मिली।' जनक जी बोले-'हमारे यहां रहने से इन सबको शांति मिलती है, इनका कष्ट घटता है तो हम यहीं रहेंगे।'

तात्पर्य यह है कि भला मनुष्य नरक में पहुंचेगा तो नरक भी स्वर्ग हो जाएगा और बुरा मनुष्य स्वर्ग में पहुंच जाए तो स्वर्ग को भी नरक बना डालेगा। अत- देखना चाहिए कि हम अपने चित्त में नरक भरकर चलते हैं या स्वर्ग लेकर। जब हमें लगता है कि समस्त विश्व मेरी आत्मा में है, तब रोग-द्वेष, संघर्ष-हिंसा के लिए स्थान कहां रह जाता है?

ऑडी इंडिया की खुदरा बिक्री जनवरी-सितंबर में 29 प्रतिशत बढ़ी

मुंबई । जर्मन कार कंपनी ऑडी की भारतीय इकाई ऑडी इंडिया की जनवरी-सितंबर, 2022 में खुदरा बिक्री 29 प्रतिशत बढ़कर 2,947 इकाई हो गई। कंपनी ने शुक्रवार को इसकी जानकारी दी। ऑडी इंडिया ने जनवरी-सितंबर 2021 में 2,291 इकाइयों की बिक्री की थी। कंपनी ने कहा कि ई-ट्रॉन, ए4, ए6, और आरएस की क्यू5 के निरंतर मांग के साथ नए ए8 और क्यू7 मॉडलों के आने से बिक्री में वृद्धि हुई। ऑडी इंडिया के प्रमुख ने बताया कि पहले नौ महीनों में हमारे प्रदर्शन ने साल के बाकी हिस्सों में मजबूत प्रदर्शन की बुनियाद रखी है। उन्होंने कहा, सेमीकंडक्टर की कमी और वैश्विक आपूर्ति-श्रृंखला में बाधाओं के बावजूद बिक्री में मजबूत वृद्धि हमारे ब्रांड और उत्पाद पोर्टफोलियो के प्रति ग्राहकों को लगाव को दर्शाता है।' चालू त्यौहारी सीजन में कंपनी को अच्छी बिक्री की उम्मीद है।

केले की खेती करने वाले किसानों, व्यापारियों और निर्यातकों को एक मंच पर लाएगा ग्रीनिक

तिरुवनंतपुरम । केरल के कृषि स्टार्टअप 'ग्रीनिक ने केले की खेती करने वाले किसानों, व्यापारियों और निर्यातकों को एक मंच पर जोड़ने के लिए एक संपूर्ण आपूर्ति श्रृंखला बनाने की पहल की है। कंपनी के मुताबिक, इस पहल के तहत देश में केले की खेती करने वाले किसानों, व्यापारियों, थोक विक्रेताओं और खरीदारों को जोड़ा जाएगा। गौरतलब है कि भारत, दुनिया का सबसे बड़ा केला उत्पादक देश है। 'ग्रीनिक' की स्थापना फारिक नौशाद और प्रेविन जैकब ने की है। ग्रीनिक ने केरल, तमिलनाडु और कर्नाटक समेत प्रमुख केला उत्पादक क्षेत्रों में सक्षम केंद्रों (ईसी) की स्थापना की है। ये ईसी किसानों को वित्त, बीज, फसल परामर्श, बीमा कवरेज, कृषि लागत, मौसम की जानकारी सहित बाजार से संपर्क, देश के अंदर और बाहर, दोनों जगह विपणन आदि से संबंधित सभी जरूरी मदद उपलब्ध कराएंगे।''

सेबी ने ब्रिकवर्क रेटिंग्स का पंजीकरण रद्द किया

- रेटिंग एजेंसी को छह माह में भारत में अपना कारोबार समेटने का दिया निर्देश

नई दिल्ली। भारतीय प्रतिभूति एवं विनिमय बोर्ड (सेबी) ने नियमों के उल्लंघन की वजह से ब्रिकवर्क रेटिंग्स इंडिया का लाइसेंस रद्द कर दिया है। इसके साथ ही नियामक ने इस क्रेडिट रेटिंग एजेंसी को छह माह में भारत में अपना कारोबार समेटने का निर्देश दिया है। इसके अलावा एजेंसी पर कोई नया ग्राहक लेने की रोक भी लगाई गई है। सेबी ने अपने आदेश में कहा कि ब्रिकवर्क ने कई तरह के उल्लंघन किए हैं। नियामक ने कहा कि ब्रिकवर्क ने उचित रेटिंग प्रक्रिया का अनुपालन नहीं किया और साथ ही रेटिंग प्रदान करते समय सही तरीके से जांच-परख भी नहीं की। सेबी ने कहा कि रेटिंग एजेंसी अपने द्वारा दी गई रेटिंग के समर्थन में रिकॉर्ड का रखरखाव करने में भी विफल रही। साथ ही ब्रिकवर्क ने अपने आंतरिक नियमों के तहत समयसीमा का अनुपालन भी सुनिश्चित नहीं किया। सेबी ने कहा कि ब्रिकवर्क ने रेटिंग की निगरानी से संबंधित सूचना देने में भी विलंब किया। साथ ही यह उचित रेटिंग प्रक्रिया का अनुपालन सुनिश्चित करने में भी विफल रही। नियामक ने कहा कि रेटिंग समिति के सदस्य के कारोबार विकास की भूमिका से संबंधित हितों के टकराव के मुद्दे पर भी रेटिंग एजेंसी विफल रही। सेबी ने अपने आदेश में कहा है कि ब्रिकवर्क क्रेडिट रेटिंग एजेंसी के रूप में अपने दायित्वों के निर्वहन में पर्याप्त कौशल, जांच-परख को पूरा करने में विफल रही। इससे निवेशक संरक्षण और प्रतिभूति बाजार के व्यवस्थित विकास का मकसद पूरा नहीं हुआ। सेबी के पूर्णकालिक सदस्य अश्विनी भाटिया ने कहा कि इस मामले में सख्त नियामकीय कार्रवाई की जरूरत थी जिससे बाजार पारिस्थितिकी तंत्र का संरक्षण किया जा सके।

भारत में चौथी औद्योगिक क्रांति का नेतृत्व करने की क्षमता : पीएम मोदी

गांधी नगर ।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने कहा कि भारत में चौथी औद्योगिक कांति का नेतृत्व करने की क्षमता हैं, और सरकार ने देश को वैश्विक विनिर्माण केंद्र बनाने के लिए सुधार किए हैं। उन्होंने कहा कि चौथी औद्योगिक क्रांति का जितना संबंध नई तकनीक से है, उतना ही नई सोच से भी है। पीएम मोदी ने कहा, विभिन्न कारणों से भारत पिछली औद्योगिक क्रांतियों का हिस्सा बनने से चूक गया। लेकिन, भारत में 'उद्योग 4.0' का नेतृत्व करने की क्षमता है। प्रधानमंत्री ने कहा कि हाल के इतिहास में पहली बार हमारे पास जनसांख्यिकी, मांग और निर्णायक शासन जैसे कई अलग-अलग कारक एक साथ मौजूद हैं। भारी उद्योग मंत्रालय के संयुक्त सचिव ने यहां 'उद्योग 4.0' पर आयोजित सम्मेलन में प्रधानमंत्री का संदेश पढ़ा। मोदी ने कहा कि उद्योग और उद्यमी भारत को वैश्विक मूल्य श्रृंखला में एक महत्वपूर्ण कड़ी बनाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। उन्होंने कहा, हमने भारत को दुनिया का एक तकनीकी-

संचालित विनिर्माण केंद्र बनाने के लिए सुधारों और प्रोत्साहनों को बढ़ावा दिया है।'' कार्यक्रम में भारी उद्योग मंत्री महेंद्र नाथ पांडेय ने कहा कि सरकार 'औद्योगिक क्रांति 4.0' के माध्यम से विनिर्माण को बढ़ावा देने के लिए कई कदम उठा रही है। उन्होंने कहा, ''भारत वैश्विक विनिर्माण का केंद्र बनने की ओर बढ़ रहा है... 3डी प्रिंटिंग, मशीन लर्निंग, डेटा एनालिटिक्स और आईओटी औद्योगिक वृद्धि को बढ़ावा देने के लिए महत्वपूर्ण हैं।''

सोने, चांदी में तेजी

नई दिल्ली । घरेलू बाजार में सोने और चांदी की कीमतों में तेजी आई है। दिल्ली सर्राफा बाजार में शुक्रवार को सोना 37 रुपये उछलकर 52,300 रुपये प्रति 10 ग्राम पर पहुंच गया। वहीं गत कारोबारी सत्र में सोना 52,263 रुपये प्रति 10 ग्राम पर बंद हुआ था। इसके अलावा चांदी भी 311 रुपये बढ़कर 62,022 रुपये प्रति किलोग्राम पर पहुंच गई। यह एक दिन पहले ही 61,711 रुपये प्रति किलोग्राम पर बनी हुई थी। वहीं अंतरराष्ट्रीय बाजार में सोना फिसलकर 1,711.16 डॉलर प्रति औंस जबकि चांदी 20.73 डॉलर प्रति औंस पर कारोबार पहुंच गया। बाजार जानकारों के अनुसार रुपये की विनियम दर में कमजोरी से सोने की कीमतें बढ़ी हैं।

शेयर बाजार हल्की गिरावट के साथ बंद

मुंबई । मुम्बई शेयर बाजार शुक्रवार को हल्की गिरावट के साथ बंद हुआ। सप्ताह के अंतिम कारोबारी दिन दुनिया भर के बाजारों से मिले कमजोर संकेतों के साथ ही वित्तीय और आईटी शेयरों में मुनाफावसूली हावी होने से भी बाजार में गिरावट रही। इस दौरान सेंसेक्स और निफ्टी नीचे आये। दिन भर के कारोबार के बाद तीस शेयरों पर आधारित बीएसई सूचकांक सेंसेक्स 30.81 अंक करीब 0.05 फीसदी टूटकर 58,191.29 पर बंद हुआ। वहीं दूसरी ओर पचास शेयरों वाला एनएसई का निफ्टी 17.15 अंक तकरीबन 0.10 फीसदी नीचे आकर 17,314.65 पर बंद हुआ। सेंसेक्स के शेयरों में महिंद्रा एंड महिंद्रा, अल्ट्राटेक सीमेंट, स्टेट बैंक ऑफ इंडिया, टाटा कंसल्टेंसी सर्विसेज, बजाज फाइनेंस और आईटीसी के शेयर गिर जबकि टाइटन, पावर ग्रिड, एनटीपीसी, मारुति, इंडसइंड बैंक और एशियन पेंट्स के शेयरों में तेजी रही। वहीं एशियाई बाजारों में गिरावट रही। सोल, टोक्यो, शंघाई और हांगकांग के बाजार नीचे आये जबकि यूरोपीय बाजारों में में मिला-जुला कारोबार हुआ। वहीं अमेरिकी बाजारों में गिरावट रही। बाजारा जानकारों के अनुसार अमेरिका में रोजगार के आंकड़े जारी होने से पहले, घरेलू बाजार में अन्य विदेशी बाजारों की ही तरह कमजोरी हावी रही। इसी बीच अंतरराष्ट्रीय तेल बेंचमार्क ब्रेंट क्रूड वायदा 0.48 फीसदी की बढ़त के साथ ही 94.87 डॉलर प्रति बैरल के भाव पर पहुंच गया।

गैस कीमत निर्धारण व्यवस्था बीच में बदलने से निवेश में देरी होगी: रिलायंस

मुंबई ।

देश के प्रमुख कारोबारी मुकेश अंबानी की कंपनी रिलायंस इंडस्ट्रीज ने गैस कीमत निर्धारण की समीक्षा के लिए सरकार की तरफ से गठित समिति से कहा है कि दरों पर कृत्रिम रूप से अंकुश लगाने का कोई भी कदम प्रतिगामी होगा। इससे राजकोषीय नीति के मोर्चे पर अस्थिरता बढ़ने के साथ निवेश में देरी होगी और ईंधन उत्पादन में आत्मनिर्भर बनने के देश के प्रयास को झटका लगेगा। पूर्ववर्ती योजना आयोग के सदस्य रहे किरीट पारेख की अध्यक्षता वाली समिति के समक्ष अपने प्रतिवेदन में कंपनी ने कहा है कि केजी डी-6 में शुरू होने के करीब पहुंचे क्षेत्र में ईंधन भंडार समुद्री क्षेत्र की गहराई में स्थित है और इसे प्राप्त करने के लिए अरबों डॉलर का निवेश किया गया है। उसने प्रतिवेदन में इस बारे में विस्तार से बताया कि विभिन्न कीमतों के तहत क्षेत्र के अर्थशास्त्र पर किस प्रकार का असर पड़ेगा। मामले से जुड़े सूत्रों ने बताया कि रिलायंस इंडस्ट्रीज के अनुसार कीमत सीमा के जरिए बीच में बदलाव न केवल नीतियों के जरिए सरकार की तरफ से कीमत

निर्धारण और विपणन को लेकर दी गई स्वतंत्रता का उल्लंघन होगा, बल्कि यह राजकोषीय व्यवस्था के लिए भी अनिश्चितता उत्पन्न करेगा, जिसका असर निवेश पर पड़ेगा। सरकार अधिशेष गैस वाले देशों में मूल्यों के आधार पर साल में दो बार गैस के दाम निर्धारित करती है। इस फॉर्मूले के अनुसार दरें अक्टूबर, 2015 से छह साल 3 से 3.5 डॉलर प्रति 10 लाख ब्रिटिश थर्मल यूनिट (एमएमबीटीयू) रही लेकिन पिछले एक साल में पुराने क्षेत्रों से उत्पादित गैस की कीमत पांच गुना बढ़कर 8.57 डॉलर प्रति इकाई, जबकि कठिन माने जाने वाले क्षेत्रों में 12.46 डॉलर प्रति इकाई पहुंच गई हैं। दरों में तीव्र वृद्धि को देखते हुए गैस का उपभोग करने वाले उद्योगों ने शिकायत की है। उसके बाद मंत्रालय ने उपयोगकर्ताओं के लिए किफायती दरें तय करने के लिए समिति गठित की।

एलन मस्क को ट्विटर डील पूरी करने 28 अक्टूबर तक दिया समय

अमेरिका के डेलावेयर चांसरी कोर्ट के जज ने दिया आदेश

वाशिंगटन ।

अमेरिका की डेलावेयर कोर्ट में टेस्ला के मालिक एलन मस्क और ट्विटर के बीच डील विवाद का मामला फिलहाल रोक दिया गया है। मामले में सुनवाई कर रहे जज ने एलन मस्क के खिलाफ ट्विटर इंक के केस को रोक दिया है और बिजनेसमैन डील को पूरा करने के लिए एलन मस्क को 28 अक्टूबर 2022 तक का समय दिया है। डेलावेयर चांसरी कोर्ट के जज कैथलीन सेंट जूड मैककॉर्मिक ने अपने आदेश में मस्क को समय देते हुए कहा कि अगर मस्क 28 अक्टूबर इस डील को पूरा नहीं करते हैं तो नवंबर से उनके खिलाफ ट्रायल शुरू किया जाएगा। इससे पहले मस्क का केस लड़ रहे वकीलों ने गुरुवार को कोर्ट में गुहार लगाई थी कि ट्विटर डील को पूरा करने के दौरान कोर्ट केस को रोक दिया जाए, ताकि अधिग्रहण को पूरा करने के लिए फाइनेंस और अन्य कागजी कार्रवाई पूरी की जा सके। कोर्ट ट्रायल के बीच मस्क ने सोमवार ट्विटर को पत्र भेजकर यह डील पूरा करने की मंशा जताई है। इस संबंध में उन्होंने अमेरिकी शेयर बाजार को भी जानकारी दी है। इस सौदे को शेयरधारकों की मंजूरी पहले ही मिल गई है। मस्क ने इस ट्विटर को प्रति शेयर 54.20 डॉलर के भाव पर अधिग्रहण करने की पेशकश की है। इस हिसाब से यह पूरी डील 44 अरब डालर की हो सकती है। साथ ही मस्क ने ट्विटर खरीद को लेकर कानूनी लड़ाई समाप्त करने की भी बात कही है। इलेक्ट्रिक कार निर्माता टेस्ला के सीईओ मस्क को 17 अक्टूबर को कोर्ट ने पूछताछ के लिए पेश होने के लिए कहा था, लेकिन गुरुवार को उनका बयान आने के बाद

केस को समझौते से स्थगित कर दिया गया है। इस बीच ट्विटर के शेयर दिन में 3.7 फीसदी गिर गए, लेकिन अंत तक शेयर एक फीसदी की बढ़ोतरी के बाद 49.39 डॉलर पर बंद हुए। इस हफ्ते मस्क ने कहा कि वह अप्रैल में सहमत हुए 54.20 प्रति शेयर के हिसाब से ट्विटर खरीदेंगे। इससे पहले एलन मस्क ने ट्विटर को और ज्यादा उपयोगी बनाने की बात कही थी।

रुपया फिसलकर 82.32 के रिकॉर्ड निचले स्तर पर पहुंचा

मुंबई । अमेरिका डॉलर के मुकाबले भारतीय रुपये में आ रही गिरावट का दौर शुक्रवार को भी जारी रहा। डॉलर के मुकाबले रुपया 15 पैसे की गिरावट के साथ ही 82.32 के रिकॉर्ड निचले स्तर पर पहुंच गया। कारोबारियों के अनुसार, घरेलू शेयर बाजारों में गिरावट और कच्चे तेल की कीमतों में आ रहे उछाल से निवेशकों की धारणा प्रभावित हुई है और बाजार में निकासी बढ़ी है। इससे भी अंतरबैंक विदेशी मुद्रा विनिमय बाजार में रुपया गिरावट के साथ ही 82.19 पर खुला और कारोबार के दौरान यह 82.43 के निचले स्तर तक खिसक गया। वहीं अंत में रुपया गत दिवस के बंद भाव के मुकाबले 15 पैसे की गिरावट के साथ ही 82.32 प्रति डॉलर पर पहुंचकर बंद हुआ। इससे पहले गत दिवस अमेरिकी मुद्रा के मुकाबले रुपया 55 पैसे नीचे आकर 82.17 प्रति डॉलर के सर्वकालिक निचले स्तर पर बंद हुआ था। वहीं विश्व की छह मुद्राओं के मुकाबले डॉलर की मजबूती को आंकने वाला डॉलर सूचकांक 0.19 फीसदी नीचे आकर 112.04 पर पहुंच गया है।

वैश्विक अर्थव्यवस्था व्यापक अनिश्चितता की ओर बढ़ रही है: आईएमएफ

- अगले सप्ताह जारी होने वाले विश्व आर्थिक परिदृश्य में वैश्विक वृद्धि अनुमानों को और घटाया जाएगा

वाशिंगटन ।

आईएमएफ प्रमुख क्रिस्टलीना जॉर्जिवा ने कहा कि वैश्विक अर्थव्यवस्था सापेक्षिक पूर्वानुमान से व्यापक अनिश्चितता की ओर बढ़ रही है। उन्होंने कहा कि वैश्विक अर्थव्यवस्था के एक तिहाई देशों को इस साल या अगले साल कम से कम दो तिमाहियों में संकुचन का सामना करना पड़ेगा। अंतरराष्ट्रीय मुद्रा कोष (आईएमएफ) और विश्व बैंक की वार्षिक बैठक से पहले यहां एक प्रमुख नीतिगत भाषण में आईएमएफ की प्रबंध निदेशक जॉर्जिवा ने कहा कि अगले सप्ताह जारी होने वाले विश्व आर्थिक परिदृश्य में वैश्विक वृद्धि अनुमानों को और घटाया जाएगा। उन्होंने कहा कि हमने अपने वृद्धि अनुमानों को पहले ही तीन बार घटाकर 2022 के लिए 3.2 प्रतिशत और 2023 के लिए 2.9 प्रतिशत कर दिया है, और जैसा कि आप अगले सप्ताह हमारे ताजा वैश्विक आर्थिक परिदृश्य में देखेंगे, हम अगले वर्ष के लिए वृद्धि अनुमानों को घटाएंगे। हम इस बात को इंगित करेंगे कि मंदी के जोखिम बढ़ रहे हैं। हमारा अनुमान है कि विश्व अर्थव्यवस्था के लगभग एक-तिहाई देश इस साल या अगले साल कम से कम लगातार दो तिमाहियों में संकुचन का सामना करेंगे। कुल मिलाकर, हमारा अनुमान है कि इस समय से लेकर 2026 के बीच वैश्विक उत्पादन में लगभग चार लाख करोड़ डॉलर का नुकसान होगा। यह नुकसान जर्मनी की अर्थव्यवस्था के बराबर है और इस तरह यह विश्व अर्थव्यवस्था के लिए एक बड़ा झटका होगा। उन्होंने कहा कि हालात इससे अधिक बुरे भी हो सकते हैं। चीजों के बेहतर होने के पहले और खराब होने की आशंका अधिक दिख रही है। इससे पहले आईएमएफ ने गुरुवार को कैलेंडर वर्ष 2023 में वैश्विक आर्थिक वृद्धि के लिए अपने पूर्वानुमान को एक बार फिर घटाते हुए कहा था

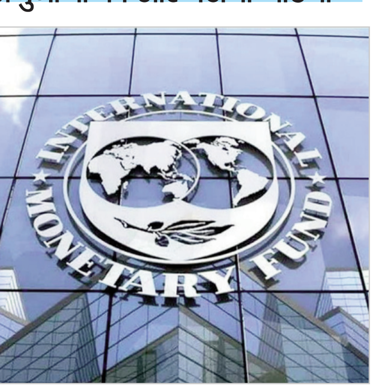

कि 2026 तक विश्व अर्थव्यवस्था में चार लाख करोड़ डॉलर तक की गिरावट आ सकती है। जॉर्जिवा ने कहा कि यूक्रेन पर रूस के हमले के बाद वैश्विक अर्थव्यवस्था को लेकर आईएमएफ का परिदृश्य नाटकीय रूप से प्रभावित हुआ है। उन्होंने कहा कि दुनिया के कई देशों में इस युद्ध के बड़े प्रभावों को पहले से ही देखा जा रहा है।

दिवाली तक 53000 रुपए हो सकती है सोने की कीमत

नई दिल्ली ।

वैश्विक बाजार में तेजी और रुपए में गिरावट की वजह से सोने की कीमत में बढ़ोतरी होती जा रही है। बाजार के जानकारों का कहना है कि दिवाली तक सोना 53000 रुपए प्रति 10 ग्राम और चांदी का भाव 65000 रुपए प्रति किलो तक जा सकता है। सोना-चांदी के भाव में उछाल की 5 कारण बताए जा रहे हैं। पहला कारण डॉलर इंडेक्स और बांड यील्ड में गिरावट शुरू होना, दूसरा कारण केंद्रीय बैंक अगर इसी तरह ब्याज दरें बढ़ाते रहे तो दुनिया को मंदी का सामना करना पड़ सकता है। इस भय की वजह से लोग सुरक्षित निवेश के रूप में सोने को तरजीह दे रहे हैं। तीसरी वजह रूस-यूक्रेन युद्ध है। भारत में सोने की कीमत में उछाल का चौथा सबसे बड़ा कारण प्रीमियम 1 डॉलर है जबकि, चीन, इंडोनेशिया और तुर्की में 35 से 40 डॉलर है। यह बताता है कि सोने की सप्लाई में कमी है। पांचवां कारण चीन और भारत में फेस्टीव सीजन के चलते सोने की बढ़ती मांग है। एक तरफ सप्लाई में कमी और दूसरी तरफ मांग बढ़ने की वजह से सोने की कीमत में अभी और तेजी देखने को मिलेगी। जबकि,

चांदी सोने से अधिक रिटर्न दे सकती है। गौरतलब है कि दिल्ली सर्राफा बाजार में गुरुवार को सोना 497 रुपए की तेजी के साथ 52,220 रुपए प्रति 10 ग्राम पर पहुंच गया। इससे पिछले कारोबारी सत्र में सोना 51,723 रुपए प्रति 10 ग्राम पर बंद हुआ था। वहीं चांदी 80 रुपए की गिरावट के साथ 61,605 रुपए प्रति किलोग्राम पर आ गई, जो पहले 61,685 रुपए प्रति किलोग्राम थी।

एयरटेल की 5जी सेवा आठ शहरों में शुरू

- ग्राहकों को 4जी प्लान का ही भुगतान करना होगा

मुंबई ।

प्रमुख दूरसंचार कंपनी भारती एयरटेल ने कहा कि उसकी 5जी सेवाएं देश के आठ शहरों दिल्ली, मुंबई, चेन्नई, बेंगलुरु, हैदराबाद, सिलीगुड़ी, नागपुर और वाराणसी में शुरू हो गई हैं। बयान में कहा गया है कि 5जी सेवाओं के लिए ग्राहकों को अपनी मौजूदा 4जी प्लान के मुताबिक ही भुगतान करना होगा। भारती एयरटेल के प्रबंध निदेशक और मुख्य कार्यपालक अधिकारी (सीईओ) गोपाल विट्टल ने 5जी की पेशकश के अवसर पर कहा` कि भारती एयरटेल पिछले 27 साल से देश की दूरसंचार क्रांति में सबसे आगे रही है। हमने अपने ग्राहकों को सबसे अच्छा अनुभव देने के लिए हमेशा बेहतरीन नेटवर्क का निर्माण किया है और आगे भी इसे जारी रखेंगे। हमारी इस यात्रा में आज यह एक और कदम है। उन्होंने कहा` कि एयरटेल 5जी प्लस किसी भी 5जी उपकरण और ग्राहक के मौजूदा सिम कार्ड के साथ काम करेगा। भारती एंटरप्राइजेज के संस्थापक और चेयरमैन सुनील मित्तल ने एक अक्टूबर को देश के आठ शहरों में 5जी सेवा शुरू करने की घोषणा की थी। कंपनी के प्रवक्ता ने कहा कि ग्राहक अपने 4जी प्लान के मुताबिक सेवाओं का लाभ उठा सकेंगे। उन्होंने कहा कि एयरटेल ग्राहक अपने क्षेत्र में 5जी सिग्नल पाने के लिए 5जी पर स्विच कर सकते हैं। हालांकि, अगर ग्राहकों को लगे कि 5जी पर डेटा की खपत अधिक हो रही है, तो वे 4जी नेटवर्क पर वापस जा सकते हैं। 5जी तक पहुंच वैकल्पिक है। वर्तमान में एप्पल, सैमसंग, शाओमी, वीवो, ओप्पो, रीयलमी और वनप्लस के 5जी मॉडल एयरटेल 5जी प्लस सेवा के अनुकूल हैं।

ईशा अंबानी ने मुंबई में बहु-कला सांस्कृतिक केंद्र खोलने की घोषणा की

मुंबई ।

रिलायंस रिटेल वेंचर्स लिमिटेड (आरआरवीएल) की निदेशक ईशा अंबानी ने मुंबई के बांद्रा कुर्ला कॉम्प्लेक्स में नीता मुकेश अंबानी के नाम से एक बहु-कला सांस्कृतिक केंद्र खोलने की घोषणा की है। यह केंद्र उनकी मां नीता एम अंबानी को समर्पित हैं। नीता अंबानी शिक्षाविद्, व्यवसायी, परोपकारी और लंबे समय से कला संरक्षक की भूमिका निभा रही हैं। कला के क्षेत्र में यह सांस्कृतिक केंद्र अपनी तरह का पहला केंद्र होगा।मुंबई के जियो वर्ल्ड सेंटर में नीता मुकेश अंबानी कल्चरल सेंटर को बनाया जाएगा। इसमें एक तीन मंजिला इमारत में परफॉर्मिंग और विजुअल आर्ट्स का प्रदर्शन होगा। परफॉर्मिंग आर्ट के लिए द ग्रैंड थिएटर, द स्टूडियो थिएटर और द क्यूब जैसे शानदार थिएटर बनाए जाएंगे। इन सभी में एडवांस टेक्नोलॉजी का इस्तेमाल किया जाएगा। भारतीय और अंतरराष्ट्रीय कलाकारों की प्रदर्शनी के लिए एक चार मंजिला आर्ट हाउस भी लॉन्च होगा। ईशा अंबानी ने इस मौके पर कहा कि नीता मुकेश अंबानी सांस्कृतिक केंद्र सिर्फ एक स्पेस नहीं है। यह कला, संस्कृति और भारत के लिए मेरी मां के जुनून की परिणति है। उन्होंने हमेशा एक ऐसा प्लेटफॉर्म बनाने का सपना देखा है, जहां दर्शक, कलाकार और रचनात्मक लोग इकट्ठा हो सकें।

एनएमएसीसी के लिए उनका विजन भारत की खूबियों को दुनिया के सामने पेश करना और दुनिया को भारत के और नजदीक लाना है। बहु-कला सांस्कृतिक केंद्र के दरवाजे दर्शकों के लिए 31 मार्च 2023 को खोल दिए जाएंगे।

लॉन्च के मौके पर तीन दिवसीय कार्यक्रम होंगे, जिसमें राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय स्तर के कई जाने माने कलाकार अपनी कला का प्रदर्शन करेंगे।

Sports

गौतम गंभीर को मिली बड़ी जिम्मेदारी, सुपर जाइंट्स की टी20 टीमों के वैश्विक 'मेंटोर' बने

नई दिल्ली ।

आर.पी. संजीव गोयनका ग्रुप ने भारत के पूर्व सलामी बल्लेबाज और अपनी आईपीएल टीम लखनऊ सुपर जाइंट्स के मेंटोर गौतम गंभीर को अपने क्रिकेट संचालन मामलों का वैश्विक 'मेंटोर' बनाया है। एलएसजी के साथ गंभीर अब दक्षिण अफ्रीका में आरपीएसजी समूह की टी20 टीम डरबंस सुपर जाइंट्स के भी मार्गदर्शक होंगे। गंभीर के मार्गदर्शन में एलएसजी ने पहले ही सत्र में प्लेआफ के लिये क्वालीफाई किया। गंभीर ने कहा, 'मैं सुपर जाइंट्स के वैश्विक मेंटोर के रूप में पूरी प्रतिबद्धता और जुनून के साथ काम करूंगा। सुपर जाइंट्स परिवार को विश्व स्तर पर अपनी छाप छोड़ते देखना सुखद पल है।

वार्नर और स्टार्क की बदौलत ऑस्ट्रेलिया ने वेस्टइंडीज को हराया, श्रृंखला 2-0 से जीती

ब्रिसबेन ।

सलामी बल्लेबाज डेविड वार्नर (75 रन) के अर्धशतक के बाद मिशेल स्टार्क के चार विकेट की बदौलत आस्ट्रेलिया ने दूसरे टी20 अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट मैच में शुक्रवार यहां वेस्टइंडीज को 31 रन से हराकर दो मैचों की श्रृंखला 2-0 से अपने नाम की। ऑस्ट्रेलिया ने पहले टी20 मैच में वेस्टइंडीज को तीन विकेट से हराया था। ऑस्ट्रेलिया ने वार्नर की 10 चौके और तीन छक्के जड़ित 41 गेंद की पारी और टिम डेविड के 42 रन (20 गेंद, चार चौके, तीन छक्के) के योगदान से सात विकेट पर 178 रन का स्कोर खड़ा किया। इस लक्ष्य का पीछा करने उतरी वेस्टइंडीज 20 ओवर में आठ विकेट पर 147 रन ही बना सकी। उसने लगातार अंतराल पर विकेट गंवाए। जॉनसन चार्ल्स 29 रन बनाकर शीर्ष स्कोरर रहे। अकील हुसैन ने 25 रन बनाये। आस्ट्रेलिया के लिये मिशेल स्टार्क ने 20 रन देकर चार खिलाड़ियों को पवेलियन भेजा। उनके अलावा पैट कमिंस को दो विकेट मिले। इससे पहले बल्लेबाजी का न्योता मिलने के बाद वार्नर ने कप्तान आरोन फिंच (15 रन) के साथ दूसरे विकेट के लिये 52 गेंद में 85 रन की भागीदारी निभाई। स्टीव स्मिथ (17 रन) और डेविड के बीच पांचवें विकेट के लिए 26 गेंद में 56 रन की साझेदारी भी अहम रही। वेस्टइंडीज के लिए अल्जारी जोसफ ने 21 रन देकर तीन जबकि ओबेद मैकॉय ने तीन ओवर में 33 रन देकर दो विकेट झटके।

अस्ताना ओपन के क्वार्टर फाइनल में पहुंचे नोवाक जोकोविच

अस्ताना।

नोवाक जोकोविच ने नीदरलैंड के बॉटिक वैन डे ज़ैंड्सचुल्प को सीधे सेटों में पराजित करके अस्ताना ओपन टेनिस टूर्नामेंट के क्वार्टर फाइनल में प्रवेश किया। जोकोविच का वैन डे ज़ैंड्सचुल्प से यह पहला मुकाबला था जिसमें उन्होंने 6-3, 6-1 से जीत दर्ज की। वैन डे ज़ैंड्सचुल्प ने दोनों सेट में एक-एक ब्रेक प्वाइंट हासिल किया लेकिन वहां किसी भी समय जोकोविच को कड़ी चुनौती पेश नहीं कर पाए। जोकोविच का अगला मुकाबला करेन खाचानोव से होगा, जिन्होंने मारिन सिलिच को 2-6, 6-3, 6-3 से हराया। अगर 21 बार का ग्रैंड स्लैम विजेता इस मैच में जीत हासिल कर लेता है तो सेमीफाइनल में उनका सामना दानिल मेदवेदेव से हो सकता है। दूसरी वरीयता प्राप्त मेदवेदेव ने एक अन्य मैच में फिनलैंड के एमिल रुसुवुओरी को 6-3, 6-2 से हराया। उनका सामना अब राबर्टो बातिस्ता आगुट से होगा।

प्रणीत और आकर्षि ने राष्ट्रीय खेलों में जीते स्वर्ण

सूरत । बी साई प्रणीत और आकर्षि कश्यप ने शानदार प्रदर्शन करते हुए राष्ट्रीय खेलों की बैडमिंटन स्पर्धा के पुरूष और महिला एकल वर्ग में स्वर्ण पदक जीते हैं। तेलंगाना की ओर से उतरे प्रणीत ने कर्नाटक के मिथुन मंजूनाथ को 21-11, 12-21, 21-16 से हराया। वहीं छत्तीसगढ की आकर्षि ने महाराष्ट्र की मालविका बंसोड़ को 21-8, 22-20 से पराजित किया। दूसरी ओर तेलंगाना ने बैडमिंटन के मिश्रित टीम वर्ग के साथ ही महिला युगल वर्ग में भी खिताब जीते हैं। तेलंगाना की ओर से खेल रहे एन सिक्की रेड्डी और गायत्री गोपीचंद ने कर्नाटक की अश्विनी भट और शिखा गौतम को 21-14, 21-11 से हराया। इसके अलावा पुरूष युगल में केरल की ओर से उतरे पी एस रविकृष्णा और शंकरप्रसाद उदयकुमार ने हरिहरन एमसाकरूणन और आर रूबन कुमार को 21-19, 21-19 से पराजित किया। वहीं मिश्रित युगल में दिल्ली के रोहन कपूर और कनिका कंवल को कर्नाटक की अश्विनी पोनप्पा और के साइ प्रतीक के हाथों 21-16, 21-13 से हार का सामना करना पड़ा।

हरमनप्रीत लगातार दूसरे साल एफआईएच 'प्लेयर आफद ईयर' बने

महिला वर्ग से फेलिस बनी वर्ष की सर्वश्रेष्ठ महिला खिलाड़ी

लुसाने ।

भारतीय पुरुष हॉकी टीम के उपकप्तान हरमनप्रीत सिंह को एफआईएच 'प्लेयर आफ द ईयर' के लिए चयनित किया गया है। डिफेंडर हरमनप्रीत को लगातार दूसरे साल इस अवार्ड के लिए चुना गया है। हरमनप्रीत के साथ ही नीदरलैंड की महिला खिलाड़ी फेलिस अल्बर्स को भी साल की सर्वश्रेष्ठ महिला खिलाड़ी के लिए चयनित किया गया है। हरमनप्रीत डिफेंडर को उनकी गोल करने की क्षमता के लिए भी पुरस्कार मिला है जबकि पिछल साल क्योंकि कई टीमों के लिए पेनल्टी-कॉर्नर में उनके ड्रैग फ्लिक्स से निपटना संभव नहीं होता था। प्रो लीग 2021/22 में इस खिलाड़ी ने 16 मैचों में से दो हैट्रिक के साथ ही 18 गोल किये हैं। इससे वह सत्र में भारत की ओर से सबसे अधिक गोल करने वाले खिलाड़ी भी बने। 18 गोलों का हरमनप्रीत का आंकड़ा प्रो लीग के एक सत्र में किसी एक खिलाड़ी द्वारा किए गए सर्वाधिक गोल करने का रिकॉर्ड है। हरमनप्रीत एशियाई चैंपियंस ट्राफी ढाका 2021 में भी शानदार फॉर्म में थे, जहां उन्होंने छह मैचों में आठ गोल किए थे। हरमनप्रीत अब लगातार दो बार प्लेयर आफद ईयर पुरस्कार (पुरुष वर्ग) जीतने वाले चौथे खिलाड़ी बन गए हैं और एक दिग्गज खिलाड़ियों की एक विशिष्ट सूची में शामिल हो गए है इसमें ट्यून डी नूजर (नीदरलैंड), जेमी ड्वायर (आस्ट्रेलिया) और आर्थर वैन डोरेन (बेल्जियम) आदि शामिल हैं। प्लेयर आफ द ईयर अवार्ड की रेस में हरमनप्रीत के कुल अंक 29.4 अंक थे। उनके बाद थियरी ब्रिंकमैन 23.6 अंक के साथ दूसरे जबकि टॉम बून 23.4 अंक के साथ तीसरे स्थान पर रहे।

वहीं दूसरी ओर, महिला वर्ग में सर्श्रेष्ठ खिलाड़ी बनीं फेलिस ने 22 साल की उम्र में ही कई खिताब जीते हैं। वह एफआईएच हॉकी प्रो लीग (2019 और 2020-21), यूरो हॉकी चैम्पियनशिप 2021, टोक्यो ओलंपिक खेला 2020 और एफआईएच हॉकी महिला विश्व कप 2022 में स्वर्ण पदक जीतने वाली टीम में शामिल रही हैं।

संक्षिप्त समाचार

अतनु और संगीता ने जीता स्वर्ण

अहमदाबाद । देश के शीर्ष तीरंदाज अतनु दास ने यहां राष्ट्रीय खेलों में शानदार प्रदर्शन करते हुए पुरूष व्यक्तिगत रिकर्व स्पर्धा में स्वर्ण पदक जीता है। इससे पहले अतनु को टोक्यो ओलंपिक में हार का सामना करना पड़ा था जिसके बाद से ही वह निराश थे। इसके बाद उन्होंने अपनी ट्रेनिंग में बदलाव किया जिसका लाभ उन्हें यहां मिला है। उन्होंने फाइनल में सेना के गुरचरण बेसरा को 6-4 से हराकर स्वर्ण पदक पर कब्जा किया। वहीं हरियाणा के खिलाड़ियों ने रिकर्व स्पर्धा में जीत दर्ज की। इसमें उसके खिलाड़ियों ने पुरूष और महिला टीम, महिला व्यक्तिगत और मिश्रित युगल स्पर्धा में पहला स्थान हासिल किया। हरियाणा की महिला टीम ने शूटआउट में झारखंड को हराया जबकि पुरूष टीम को सेना से मुकाबले में वॉकओवर मिला। वहीं रिकर्व स्पर्धा के महिला वर्ग में संगीता ने झारखंड की अनिष्का कुमारी सिंह को एकल फाइनल में हराकर पहला स्थान हासिल करने के साथ ही स्वर्ण पदक अपने नाम किया। आकाश और भजन कौर की मिश्रित युगल जोड़ी ने महाराष्ट्र के गौरव लांबे और चारूता कमालापुर की जोड़ी को हराकर स्वर्ण हासिल किया।

सैमसन , अय्यर और शार्दुल ने अच्छा प्रयास किया : धवन

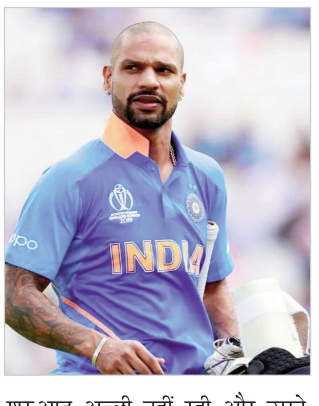

लखनऊ । दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ पहले एकदिवसीय मैच में हार के बाद भी भारतीय टीम की कप्तानी कर रहे शिखर धवन ने अपनी टीम का बचाव किया और कहा कि संजू सैमसन , श्रेयस अय्यर और शार्दुल ठाकुर ने अच्छा प्रदर्शन किया है। दक्षिण अफ्रीकी टीम ने हालांकि वर्षा बाधित इस मैच को जीत लिया। इस मैच में भारतीय टीम की शुरुआत अच्छी नहीं रही और उसने शुरअआत में ही शिखर धवन और शुभमन गिल के विकेट खो दिये। इसके बाद अय्यर और सैमसन के बीच हुई शानदार साझेदारी से भारतीय टीम ने मैच में वापसी कर प्रयास किया हालांकि अंत में मेहमान टीम ने केवल 9 रनों से मुकाबला जीत लिया। धवन ने कहा, मध्य क्रम के बल्लेबाजों ने जिस तरह से खेला, उस पर हमें बहुत गर्व है। श्रेयस, सैमसन और शार्दुल ने अंत तक प्रयास किया। वहीं सैमसन ने कहा कि केवल दो बड़े शॉट नहीं खेल पाने के कारण मुकाबला उनके हाथ से निकल गया। साथ ही कहा कि अगले मैच में वह और बेहतर प्रदर्शन कर यह कमी पूरी करने का प्रयास करेंगे। सैमसन ने इस मैच नाबाद 86 रन की शानदार पारी खेली। सैमसन के अलावा अय्यर ने 50 और शार्दुल ने 33 रन बनाये। सैमसन ने कहा कि इमें इस मैच में जीत के लिए एक चौका और एक छक्का चाहिये था पर उसे नहीं लगा पाने की कमी की भरपायी में अगले मैच में करने का प्रयास करुंगा।

कड़ी सुरक्षा के बीच रांची पहुंची भारत और साउथ अफ्रीका की टीमें

रांची ।

भारत और दक्षिण अफ्रीका के बीच नौ अक्टूबर रांची के सीएससीए स्टेडियम में होने वाले दूसरे एक दिवसीय अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट मैच को लेकर सुरक्षा के पुख्ता इंतजाम किए गए हैं। इस मैच के लिए भारत और दक्षिण अफ्रीका की टीम आज रांची के बिरसा मुंडा हवाई अड्डे पर पहुंचने के बाद सीधे रेडिसन ब्लू होटल चली गई। दोनों टीमें कल जेएससीए स्टेडियम में प्रैक्टिस करेगी। इस मैच की सुरक्षा में चार आईपीएस, 20 डीएसपी, 40 इंस्पेक्टर, 84 सब-इंस्पेक्टर और लगभग दो हजार जवान शहर में तैनात रहेंगे। एकदिवसीय अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट मैच को लेकर सुरक्षा व्यवस्था के लिए पुलिस मुख्यालय की ओर से चार आईपीएस की तैनाती रांची में की गई है। सभी आईपीएस को यह जिम्मेदारी दी गई है कि वो रांची एसएसपी से कॉर्डिनेट कर सुरक्षा की मॉनिटरिंग करें। स्टेडियम के अंदर और बाहर की सुरक्षा को लेकर कुल 29 डीएसपी, 500 पुलिस पदाधिकारी, इंस्पेक्टर ,दरोगा और जमादार शामिल हैं। इसके अलावा 2000 जवानों की तैनाती स्टेडियम से लेकर मुख्य गेट और स्टेडियम के चारों तरफ की जाएगी। होटल रेडिसन ब्लू से लेकर जेएससीए स्टेडियम तक चप्पे-चप्पे पर सुरक्षा बलों की तैनाती की गई है। एसपी किशोर कौशल ने आज बताया कि स्टेडियम के आसपास ड्रॉप गेट बनाए जा रहे हैं। इन ड्रॉप गेट्स से स्टेडियम में वैसे ही लोगों को जाने की इजाजत मिलेगी, जिनके पास पास या फिर टिकट होगा। बिना पास या टिकट के किसी भी व्यक्ति को अंदर दाखिल होने की इजाजत नहीं होगी। स्टेडियम के अंदर और बाहर जवानों की तैनाती रहेगी। रिजर्व में भी पुलिस बल को रखा गया है।

हमने बहुत डॉट गेंदें खेलीं, बल्लेबाजी में प्रयोग उलटा पड़ गया : हरमनप्रीत

सिलहट । भारतीय महिला टीम की कप्तान हरमनप्रीत कौर ने शुक्रवार को एशिया कप में पाकिस्तान से मिली हार के लिये बल्लेबाजी क्रम में बदलाव को जिम्मेदार ठहराते हुए कहा कि अगले साल होने वाले टी20 विश्व कप से पहले बल्लेबाजों को उचित अभ्यास देने का फैसला उलटा पड़ गया । चिर प्रतिद्वंद्वी पाकिस्तान के खिलाफ 138 रन के लक्ष्य के जवाब में भारतीय टीम 124 रन ही बना सकी । हरमनप्रीत ने मैच के बाद कहा ,'' यह लक्ष्य हासिल किया जा सकता था । हम बीच के ओवरों में सिंगल नहीं ले सके और ना ही स्ट्राइक रोटेट कर सके । हमने बहुत डॉट गेंदें खेली ।'' हरमनप्रीत इस मैच में सातवें नंबर पर बल्लेबाजी के लिये उतरी थी । उन्होंने कहा ,'' हमने सोचा कि दूसरे बल्लेबाजों को मौका दिया जाये ।यह फैसला उलटा पड़ गया और हमारी हार की वजह रहा ।'' भारत ने जुलाई में बर्मिंघम राष्ट्रमंडल खेलों में पाकिस्तान को आठ विकेट से हराया था । हरमनप्रीत ने कहा ,'' हम किसी टीम को हलके में नहीं लेते । यह खेल का हिस्सा है । उन्होंने अच्छा खेला और जीते । हमें अपनी गलतियों से सबक लेकर बेहतर प्रदर्शन करना होगा ।'' भारत का सामना अब गत चैम्पियन बांग्लादेश से होगा । वहीं पहले मैच में थाईलैंड से अप्रत्याशित हार का सामना करने के बाद जीत की राह पर लौटी बांग्लादेश की कप्तान बिसमाह मारूफ ने कहा ,'' हमारे लिये यह अहम मैच था । हमने रणनीति पर बखूबी अमल किया और सोच समझकर जोखिम लिया।''

अर्जेंटीना में फुटबॉल मैच के दौरान हुइं हिंसा में एक प्रशंसक की मौत

ब्यूनस आयर्स । इंडोनेशिया में हाल में एक फुटबॉल मैच में हिंसा के बाद जहां सवा सौ से ज्यादा लोगों की मौत हुई थी। वहीं अब अर्जेंटीना में भी जिम्नासिया और बोका जूनियर्स क्लब के बीच हुएफुटबॉल मैच के दौरान हिंसा और भगदड़ के कारण एक व्यक्ति की मौत हो गयी जबकि कई अन्य घायल हुए हैं। इस मैच में हिंसा के बाद मैच रैफरी ने मैच रोक दिया। जबकि पुलिस ने हालात नियंत्रण में लाने के लिए आंसूगैस का प्रयोग किया। अधिकारियों और प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार घरेलू टीम जिम्नासिया वाय एस्प्रिमा के प्रशंसकों को पहले ही से खचाखच भरे स्टेडियम में प्रवेश नहीं मिला। जिससे वे भड़क गये ओर हिंसा पर उतारु हो गये। इसके बाद पुलिस ने भीड़ पर रबर बुलेट और आंसू गैस के गोले छोड़े जिससे वहां भगडद़ मच गयी। वहीं मैच अधिकारियों के अनुसार बोका जूनियर्स और गिम्नासिया वाई एस्प्रीमा के बीच हुए फुटबॉल मैच के दौरान स्टेडियम में हिंसा फैलने से एक व्यक्ति की मौत हो गई। ब्यूनस आयर्स प्रांत के सुरक्षा मंत्री सर्जियो बर्नी ने भी एक व्यक्ति की मौत की पुष्टि की है।

महिला एशिया कप में पाकिस्तान ने भारतीय टीम को 13 रनों से हराया

ढ़ाका।

निदा दार की अर्धशतकीय पारी के बाद नशरा संधू सहित अन्य गेंदबाजों के अच्छे प्रदर्शन से पाकिस्तान ने यहां टी20 महिला एशिया कप में भारतीय टीम को 13 रनों से हरा दिया। इस मैच में टॉस जीतकर पहले बल्लेबाजी करते हुए पाक महिला टीम ने निर्धारित 20 ओवरों में छह विकेट पर 137 रन बनाये। निदा दार ने सबसे ज्यादा नाबाद 56 रन जबकि कप्तान बिसमाह मारूफ ने 32 रन बनाये। वहीं भारतीय टीम की ओर से दीप्ति शर्मा ने 27 रन देकर तीन विकेट लिए। उनके अलावा पूजा वस्त्राकर ने दो और रेणुका सिंह ने एक विकेट लिया। इसके बाद जीत के लिए मिले 138 रनों के लक्ष्य का पीछा करते हुए भारतीय महिला टीम 124 रन ही बना पायी ओर उसे हार का सामना करना पड़ा। इस मैच में भारतीय टीम का शीर्ष क्रम असफल रहा। स्मृति मंधाना 17 , मेघना 15 रन ही बना पायीं। जेमिमा रोड्रिग्स भी दो रनों पर ही आउट हो गयी। कप्तान हरमनप्रीत कौर भी 12 रन ही बना सकीं। सबसे अधिक 26 रन रिचा घोष ने बनाये जबकि दयालन हेमलता ने 20 रनों का योगदान दिया। पाक की ओर से गेंदबाज नशरा संधू ने सबसे अधिक तीन विकेट लिए। इस मैच में हार के साथ ही भारतीय टीम का लगातार तीन मैचों से चला आ रहा जीत का सिलसिला टूट गया। इससे पहले टॉस जीतकर पाक टीम ने पारी शुरु की। भारतीय गेंदबाजों ने उसे खुलकर खेलने का अवसर नहीं दिया। ऐसे में पाक टीम निदा के नाबाद अर्धशतक के बाद भी छह विकेट पर 137 रन ही बना पायी। निदा ने 37 गेंद की अपनी पारी में पांच चौके और एक छक्के की सहायता से नाबाद 56 रन बनाए। उनके अलावा कप्तान बिसमाह मारूफ ने भी 32 रन बनाये। भारतीय महिला टीम के लिए लक्ष्य आसान लग रहा था पर पाक गेंदबाजों ने अपनी कसी हुई गेंदबाजी से इसे कठिन बना दिया। मेघना और मंधाना शुरुआत में बड़ी पारी नहीं खेल पायीं। इसके अलावा पिछले दो मैच में शानदार प्रदर्शन करने वाली जेमिमा भी असफल रही। लगातार विकेट गिरने से भी बल्लेबाजों पर दबाव पड़ा। निचले क्रम में रिचा ने अच्छी बल्लेबाजी की पर तब तक काफी देर हो गयी थी।

लंदन में महिलाओं के मैत्री अभ्यास मुकाबले में भाग लेती हुई इंग्लैंड की बैथ मीड व अन्य खिलाड़ी।

बैल की वैज्ञानिक खेती

बेल हमारे देश में उगाये जाने वाला एक पोराणिक वृक्ष है। कम सिंचित भूमि में भी इसे आसानी से उगाया जा सकता हैं भगवान शिव की आराधाना में बैल पत्र एवं फल का विशेष स्थान है। बेल फल के पंचांग (जड़, छाल, पत्ते, शाख एवं फल) औषधि रूप में मानव जीवन के लिये उपयोगी एवं उदर रोगों में बहुतायत से किया जाता है। राजस्थान में इसकी खेती सभी जिलों में की जा सकती है।

जलवायु

बेल एक उपरोक्त जलवायु का पौधा हैं, फिर भी इसे तथा जलवायु में भी सफलतापूर्वक उगाया जा सकता है। इसकी खेती समुद्र तल से 1200 मीटर ऊँचाई तक और 7-46 डिग्री सेंटीग्रेड तापमान तक की जा सकती है। फूल एवं फल के विकास के समय पर्याप्त वर्षा व नमी का होना आवश्यक है। इसके लिए शुष्क एवं गर्म वातावरण उपयुक्त होता हैं

भूमि

बेल की खेती सभी प्रकार की भूमि में की जा सकती हैं, परन्तु उपयुक्त जल निकास युक्त बलुई दोमट भूमि, इसकी खेती के लिये अधिक उपयुक्त हैं, भूमि की पी.एच. मान 6-8 तक अधिक उपयुक्त रहता हैं पड़ती एवं शुष्क भूमि में लगाने के लिए यह एक उपयुक्त पौधा है।

किस्में

सिवान, देवरिया, बड़ा, कागजी इटावा, चकिया, मिर्जापुरी,

पंत सिवानी, पंत अर्पणा पंत उर्वषी और पंत सुजाता नेल की उपयुक्त किस्में हैं।

प्रवर्धन

बेल के पौधों का प्रवर्धन लैंगिक एवं वानस्पतिक दोनों

तुरन्त बाद 15-20 सेमी. की ऊंची एवं 13 10 मी. की बैड में 1-2 सेमी. की गहराई 15-20 सेमी. की ऊँची एवं 1 मी. की बैड में 1-2 सेमी. की गहराई पर फरवरी - मार्च एवं जून- जुलाई के महिने में की जाती है। जब पौधे एक वर्ष के हो जाएं अथवा तना पेंसिल की मोटाई के आकार का हो जाए तो कलिकायन करने के योग्य हो जाते हैं। जुलाई- अगस्त या फरवरी माह कलिकायन के लिए उपयुक्त समय है। बेल में पेंच कलिकायन विधि सर्वोत्तम रहती है।

पौधा रोपण

कलिकायन किये हुये पौधों के रोपण का सर्वोत्तम समय जुलाई- अगस्त है। इसके लिए जून माह में 1 3 1 3 1 मीटर के गड्ढे 8-10 मीटर की दूरी पर खोदें। इन गड्ढों को 20-30 दिनों तक खुला छोड़ कर 10-15 किलोग्राम गोबर की सड़ी खाद तथा क्लोरोपायरीफॉस 4 प्रतिशत चूर्णत प्रति गड्ढा मिलाकर भर दें।

शिखर रोपण विधि

पुराने बीजू पौधों को कलमी पौधों में बदलने के लिये छोटी कलम बांधना चाहिये। इसके लिये पेड़ की मोटी शाखाओं को जमीन से उचित ऊँचाई (2.5-3.0 मी.) पर मार्च में शिखर से काट कर कटे हिस्से को गीली मिट्टी और टाट से ढंक देते हैं। जब इन कटे हुए भागों में नई शाखाएं निकल कर कलम बांधने योग्य हो जाएं तो उन पर जुलाई में कलिकायन कर दें तथा कलिकाओं को अच्छी तरह फुटाव उपरान्त पुरानी शाखाओं को ऊपर से काट दें। इस प्रकार से पौधों में तीसरे वर्ष से उपज प्राप्त होने लगती है।

खाद एवं उर्वरक

एक वर्ष के पौधे को 10 किग्रा. गोबर खाद, 100 ग्राम यूरिया, 150 ग्राम सुपर फास्फेट एवं 100 ग्राम म्यूरेट ऑफ पोटाश दें। यह मात्र इसी दर से 8 वर्ष तक बढ़ाते रहें। पौधों में उर्वरकों का उपयोग मार्च-अप्रैल में तथा गोबर खाद का प्रयोग जुलाई माह में करें।

सिंचाईः- बेल के नये स्थापित बगीचों में गर्मी से सात दिन के अन्तराल पर व शीतकाल में 15 दिन के अन्तराल पर सिंचाई करें। गर्मियों में बेल का पौधा अपनी पत्तियां गिरा कर सुषुप्तावस्था में चला जाता है। सिंचाई की सुविधा होने पर मई - जून के महीने में नई पत्तियां आने के बाद 20-30 दिनों के अन्तराल पर दो सिंचाई करें।

निराई - गुडाई

बेल के थालों में खाद एवं उर्वरक के प्रयोग के समय हल्की गुड़ाई करें।

पौधों की कटाई - छंटाई

पौधों की साफ- सुथरी प्ररोह विधि से करना उत्तम होता है। सधाई का कार्य शुरू के 4-5 वर्षों में ही करें। मुख्य तने को 75 सेमी. तक अकेला रखें। तत्पश्चात 4-6 शाखायें चारों दिशाओं में बढ़ने दें। सूखी तथा कीड़ों एवं बीमारियों से ग्रसित टहनियों को समय-समय पर निकालते रहें।

अन्त फसलें

शुरू के वर्षों में नये पौधों के बीच खाली जगह का प्रयोग अन्तः फसल लगा कर करें। इसके लिए दलहनी फसलें- मटर, ग्वार, लोबिया, मूंग, उड़द एवं सब्जियों- बैंगन, टमाटर, पालक, धनिया, मिर्च व लहसुन आदि को उगाया जा सकता है।

फसलों की तुड़ाई व उपज

फसल अप्रैल- मई माह मे तोड़ने योग्य हो जाते हैं जब फलों का रंग गहरे हरे रंग में बदल कर पीला हरा होने लगे तब फलों की तुडाई 2 सेमी. डण्डल के साथ करें।

कलमें पौधों में 3-4 वर्षो में फलत प्रारम्भ हो जाती है, जबकि बीजू पेड़ों में फलत 7-8 वर्ष में होती है।

पूर्ण विकसित वृक्ष (10-15 वर्ष) की उन्नत प्रजाति के पौधे से 200-400 बड़े फल एवं बीजू पौधों से प्रति पेड़ 100-200 छोटे फल प्राप्त होते हैं।

भण्डारण

बेल के फलों को शीत संग्रहण में 90 डिग्री सेल्सिसय तापमान पर 3 माह तक सुरक्षित रख सकते हैं।

बेल के प्रमुख कीट एवं व्याधियॉ तथा उनका प्रबन्धन

अल्टरनेरिया लीफस्पॉटः- पत्तियों पर गहरे भूरे रंग के अनियमित आकार के धब्बे दिखाई देते हैं।

प्रबन्धन

कापर आक्सीक्लोराइड के 0.2 प्रतिशत के घोल का छिड़काव करें।

केंकर

इस रोग से प्रभावित भागों पर जलशोषित धब्बे बन जाते है जो कि बढ़कर भूरे हो जाते हैं। रोगग्रस्त पत्तियों पर छिद्र बन जाते हैं।

प्रबन्धन

स्ट्रेप्थसाइक्लीन 100-200 पी.पी.एम. का छिड़काव करें।

फलों का फटना

बोरोन व नमी की कमी की वजह से फल फटने लगते हैं अथवा पकने से पूर्व उनमें दरार पड़ने लगती है।

प्रबन्धन

बोरेक्स 0.4 प्रतिशत का छिड़काव करें व नियमित सिंचाई करें।

शाकीय फसलों में प्रमुख प्राकृतिक शत्रुओं को पहचानें

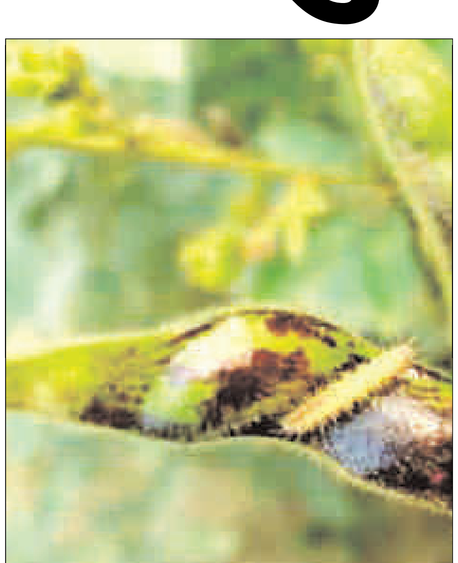

कोक्सीनैलीडस

शाकीय फसल के खेतों में सोनपंखी भृंग प्रचलित रूप से पाये जाते हैं। सोनपंखी भृंग चेपों, सफेद मक्खी, स्केल कीटों,

अण्डों, निम्फों और वयस्कों से अपना भोजन प्राप्त करते हैं विशेष रूप से ये बड़ी मात्रा में चेंपा से भोजन प्राप्त करते हैं। लार्वा, वयस्कों की अपेक्षा अधिक दक्ष परभक्षी होते हैं विशेष रूप से चौथा इनस्टार लार्वा अन्य इनस्टारों की अपेक्षा अधिक खाऊ भक्षक होते हैं। वे दिखने में बहुत उग्र होते हैं जिससे अक्सर लोगों को यह भ्रम होता है कि वे बहुत नुकसान पहुँचा सकते हैं जो कि सत्य नहीं है। सोनपंखी भृंग में नर भक्षण भी पाया जाता है। सी. सैप्टमपंकटाटाः वयस्क आधे मटर के आकार का होता है। पीले से लाल भूरा होता है और इसके

काले रंग के होते हैं। प्यूपा हल्के भूरे रंग का होता है जिस पर काले बिन्दु लगे होते हैं। और ये पिछले सिरे की पत्तियों पर लगे हुए होते हैं। अण्डा 1-2 मि.मी. लम्बा और पीले रंग का होता है। मीनोकाईलिस सेक्समाकुलेट्सः काले धब्बों वाला सोनमुखी भृंग है। अवतानित आधार पर लम्बा और संकरा काला बैण्ड छोटे और संकरे अनुदैर्ध्य संकीर्णन या लाइन द्वारा अनुप्रस्थ अण्डाकार काले विम्बीय स्थल से जुड़ा होता है।

ग्रीन लेस विंग्स

क्राइसोपा चेंपा, कुटकी, फुदका, सफेद मक्खी, थ्रिप्स, बॉलवर्म और अन्य अनेक छोटे कीटों से अपना भोजन प्राप्त

हरे या कभी-कभी भूरे होते हैं। इनकी सुनहरी आंखें होती हैं और नाजुक नेटदार पंख होते हैं।

लार्वा, जो कि बहुत अधिक सक्रिय होते हैं, धूसर या भूरे रंग के होते हैं तथा ऐलीगेटर प्रकार के होते हैं। इनकी पूरी तरह

मि.मी. से 6-8 मि.मी. तक बढ़ते हैं। जो कि कुछ ही दिनों में धूसर रंग के हो जाते हैं। युवा लार्वे निर्जलीकरण के संवेदनशील होते हैं। उन्हें नमी के स्रोत की आवश्यकता होती है।

प्रेइंग मेंटिस

प्रेइंग मेंटिस परभक्षी होते हैं और वे जीवित कीटों का शिकार करते हैं। वे अपने शिकार का पास आने के लिए इंतजार करते हैं और फिर तेजी से उनको पकड़ लेते हैं। मेंटिस अपने शिकार पर आक्रमण करने के लिए आगे की दो टांगों का इस्तेमाल करते हैं। वे रात के समय सक्रिय होते हैं। वयस्क प्रेइंग मेंटिस लंबाई में 1 से.मी. से लेकर अनेक इंचों तक अलग-अलग आकार के होते हैं। वे अपने आस-पास के वातावरण में घुल जाते हैं और उनकी नजर बहुत तेज होती है। इनमें प्रायः लैंगिक नर भक्षण भी देखा गया है।

ड्रेगन फलाई

अन्य नुकसानदायक छोटे कीटों जैसे मधुमक्खियों, तितलियों और मक्खियों को खाते हैं। उनके लार्वा जलचर होते हैं। वे अपने शिकार को स्पाइकों से भरी हुई टांगों से कसकर पकड़े रखती हैं। वे अपने शिकार को अपने फैलाये जा सकने वाले जबड़ों का प्रयोग करते हुए पकड़ती हैं। वयस्क ड्रेगन फ्लाई की जीवन अवधि केवल कुछ ही महीने है। इसका अधिकांश जीवन जल सतह के नीचे लार्वा की स्थिति में ही बीत जाता है। मादा ड्रेगन फ्लाई प्रायः पानी में तैरने वाले या जलमग्न पौधों पर या उसके आस-पास अंडे देती हैं। बड़ी ड्रेगन फ्लाई की लार्वा स्थिति पांच वर्षों तक चल सकती है।

डैमसल फ्लाई

वे जलीय वनस्पति और नहरों और तालाबों के नीचे पैदा होती हैं। वे जलीय कीटों और अन्य संधिपादों को खाती हैं। डैमसल फ्लाई वयस्क अपना शिकार पकड़ने के लिए अपनी टांगों को इस्तेमाल करती हैं जो कि बालों से ढकी होती हैं। वे

हुए खा जाता है। वयस्क सामान्यतया पानी के नजदीक पाए जाते हैं। डैमसल फ्लाई के लंबे पतले शरीर होते हैं और वे प्रायः हरे, नीले, लाल, पीले, काले या भूरे चमकदार रंगों के होते हैं।

ट्राइकोग्रामा प्रजाति

ट्राइकोग्रामा बहुत ही छोटे बर्र होते हैं। वे बेधकों के परजीवी होते हैं। परजीवी अण्ड कार्डों को पौधे की पत्तियों के निचले किनारे की तरफस्टैपल किया जा सकता है जिससे कि परजीवी उभर सकें और परपोशी अण्डों पर आक्रमण कर सकें। प्रत्येक मादा लगभग 100 अण्डों का परजीवन करती है। छोटा जीवन चक्र होने के कारण बर्रों की जनसंख्या तेजी से बढ़ती है ट्राइकोग्रामा 75 प्रतिशत आर्द्रता के साथ 23-25 डिग्री सेंटीग्रेड के तापमान पर सक्रिय होता है। प्राकृतिक शत्रुओं की रक्षा करने वाली और उन्हें प्रोत्साहित करने वाली तथा नाशीजीवों पर उनके प्रभाव को बढ़ाने वाली फसल पद्धतियों का प्रयोग करते हुए परजीवियों का संरक्षण महत्वपूर्ण है। ट्राइकोग्रामा वाणिज्यिक सप्लायरों के पास आसानी से उपलब्ध है।

न्यूक्लिलयर पॉलीहिड्रोसिस वायरस

एनपीवी एक विशिष्ट प्रकार का रोग है। पौधों पर शाम के समय किसी भी स्प्रडेर/स्टिकर या डिटर्जेंट पाउडर के 0.5 प्रतिशत और 0.1 प्रतिशत जैगरी घोल जैसे सहौशधों संयोजकों के साथ 250 एल ई/हेक्टर की दर से विषाणु घोल का छिड़काव किया जाता है। यह तम्बाकू की इल्ली और सभी शाकीय फसलों पर फल बेधकों के विरूद्ध बहुत अधिक प्रभावकारी है।

एनपीवी से संक्रमित हो जाते हैं। संक्रमित लार्वा आलसी हो जाता है और भोजन करना बंद कर देता है। बाद में संक्रमित लार्वा काला हो जाता है। यह पर्ण समूह पर टंगा हुआ देखा जाता है। न्यूक्लिलयर पॉलीहाइड्रोसिस वायरस में अनेक पॉलीहेड्रिल समावेशी कायाएं होती हैं जिनमें कि छड़ की प्रकार के विषाणु कण होते हैं। यह शहद की मक्खियों, मछली, स्तनधारियों और कीटों के प्राकृतिक शत्रुओं के लिए सुरक्षित हैं और इन्हें ठण्डे स्थान पर संग्रहित किया जा सकता है।

परभक्षी बर्रः पीले बर्र अनेक कीटों को अपना शिकार बनाते हैं जिन्हें कि नाशीजीव माना जाता है। वे मधुमक्खियों का भी शिकार करते हैं लेकिन मधुमक्खियों से अलग इन बर्रों की कॉलोनियां प्रत्येक सर्दी के मौसम के प्रारम्भ होने पर ही मर जाती हैं। प्रत्येक सामाजिक बर्र कॉलोनी में एक रानी और

रानियां भी होती हैं। कॉलोनी का आकार और संरचना भिन्न-भिन्न होती है और यह कुछ दर्जन से लेकर हजारों तक हो सकती है। मनुष्य को इनके द्वारा काटे जाने का पता उसको होने वाली एलर्जी से चलता है।

कोटेशिया

कोटेशिया इल्लियों जैसे तम्बाकू की इल्ली और चने की इल्ली का परजीवी है। कोटेशिया प्रजाति के वयस्क छोटे, गहरे रंग के बर्र होते हैं और छोटी मक्खियों से मिलते-जुलते होते हैं। उनके दो जोड़ी पंख होते हैं, पिछे के पंख आगे के पंखों से छोटे होते हैं। एन्टीना 1.5 मि.मी. लंबे और ऊपर की तरफगोलाई लिए हुए होते हैं (मुड़े हुए नहीं होते)। मादा का पेट संकरा होता हुआ बाहर की ओर मुड़ा होता है जिसे कि ऑविपॉजीटर कहते हैं जिसे वह अंडे देती है। प्यूपा परपोषी लार्वा या पौधे की पत्तियों से जुड़े पीले, रेशमी कोकून के अनियमित द्रव्य के रूप में होते हैं।

मकड़ी

मकड़ियां व्यापक रूप से होती हैं और वे अनेक कीटों से अपना भोजन प्राप्त करते हुए उत्कृष्ट परभक्षी होती हैं। मकड़ी की कुछ प्रजातियां अपने शिकार को पकड़ने के लिए जालों का प्रयोग करती हैं जबकि अन्य प्रजातियां अपना शिकार लुक-छिपकर करती हैं। कुछ मकड़ियां चींटियों को भी खाती हैं। वृत्ताकार जालों को बुनने वाली ये मकड़ियां अपने शिकार को पकड़ने के लिए अपने जालों का जल्दी-जल्दी फिर से निर्माण करती हैं, उनका पुनः चक्रण करते हुए अर्थात् इस प्रक्रिया में पुराने जाल को खाते हुए।

सिर्फिड मक्खी

सिर्फिड मक्खी की अनेक प्रजातियां चेपा और साथ ही मिली बग, सफेद मक्खियों, लैपिडॉप्टेरीन लार्वा और लाभप्रद कीटों के परभक्षी होती हैं। वयस्क सामान्यतया चमकदार रंग के, मधुमक्खियों और बर्रों से मिलते-जुलते होते हैं। सिर्फिड लार्वा दिखने में और आदतों में भिन्न-भिन्न होते हैं। वे या तो अविकल्पी या विकल्पी परभक्षी होते हैं। लार्वे कुछ-कुछ लोष्ट प्रकार के होते हैं और सिर की तरफसे शुंडाकार होते हैं। प्यूपों की आकृति विशेष प्रकार से रेजिन बिन्दु प्रकार की होती हैं।

पाकिस्तान में इमारत में लगी आग, चार बच्चों समेत सात लोगों की मौत

लाहौर। पाकिस्तान के पंजाब प्रांत के भीड़-भाड़ वाले बाजार इलाके में शुक्रवार को एक पांच मंजिला इमारत में भीषण आग लगने से चार बच्चों समेत एक ही परिवार के सात लोगों की मौत हो गई। आपातकालीन विभाग ने यह जानकारी दी। पंजाब प्रांत के आपातकालीन सेवा विभाग के मुताबिक फैसलाबाद शहर के मोंटगोमरी बाजार इलाके की इमारत में शुक्रवार तड़के आग लग गई। यह इलाका लाहौर से करीब 130 किलोमीटर दूर है। आपातकालीन सेवा विभाग के एक प्रवक्ता ने कहा, इस आग में अब तक चार बच्चों समेत सात लोगों की मौत हो चुकी है, जिनके बारे में कहा जा रहा है कि वे एक ही परिवार के सदस्य हैं। जले हुए शवों को शहर के मुर्दाघर में भेजदिया गया है। उन्होंने कहा कि आग से बचने के लिए इमारत से कूदने वाले एक व्यक्ति को गंभीर हालत में अस्पताल में भर्ती कराया गया है। संकरी गलियों में होने के कारण दमकलकर्मियों को इमारत तक पहुंचने में दिक्कतों का सामना करना पड़ा। प्रवक्ता ने कहा कि इमारत में केवल एक परिवार के रहने की बात कही जा रही है और संभवत- शार्ट-सर्किट होने के कारण यह आग लगी। पाकिस्तान के पंजाब प्रांत के मुख्यमंत्री परवेज इलाही ने इस दुखद घटना में लोगों की मौत पर दुख व्यक्त किया और संबंधित अधिकारियों को पीड़ित परिवार को मदद मुहैया कराने का निर्देश दिया।

इजराइल के पूर्व प्रधानमंत्री नेतन्याहू को अस्पताल से छुट्टी मिली

इजराइल के पूर्व प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू को बृहस्पतिवार को यरूशलम के एक अस्पताल से छुट्टी दे दी गई। उनकी पार्टी के नेताओं ने यह जानकारी दी। नेतन्याहू (72) को बुधवार को यहूदी उपवास दिवस योम किप्पुर के उपलक्ष्य में आयोजित एक प्रार्थना सभा के दौरान सीने में दर्द की शिकायत के बाद यरूशलम के शारेई जेदेक अस्पताल में भर्ती कराया गया था। अस्पताल प्रबंधन ने बताया कि नेतन्याहू की गहन चिकित्सकीय जांच की गई और उनकी रिपोर्ट सामान्य आई, लेकिन उन्हें बुधवार को रातभर निगरानी में रखा गया। नेतन्याहू की लिकुड पार्टी के नेताओं ने कहा कि पूर्व प्रधानमंत्री सामान्य दिनचर्या में लौट रहे हैं और उन्होंने सुबह की सैर भी की। पार्टी नेताओं के मुताबिक, नेतन्याहू ने अस्पाल के हृदयरोग विभाग और सघन देखभाल इकाई का बेहतरीन उपचार के लिए आभार भी जताया। उन्होंने सोशल मीडिया पर जारी एक बयान में कहा, 'मुझे बेहतर महसूस हो रहा है और मैं प्यार और समर्थन के लिए सभी का शुक्रिया अदा करता हूं।' नेतन्याहू को ऐसे समय अस्पताल में भर्ती कराना पड़ा है, जब इजराइल में बीते चार वर्षों में पांचवीं बार होने वाले आम चुनावों में एक महीने से भी कम समय बचा है। एक नवंबर को होने जा रहे चुनाव में भी पिछले चार चुनावों की तरह ही सबसे बड़ा सवाल यह है कि क्या मतदाता भ्रष्टाचार के आरोपों में मुकदमे का सामना कर रहे नेतन्याहू को देश का नेतृत्व करने के लिए चुनेंगे। चुनाव पूर्व सर्वेक्षणों में लिकुड पार्टी को पहले स्थान पर दिखाया जा रहा है, लेकिन यह स्पष्ट नहीं है कि सहयोगी दल नेतन्याहू के नेतृत्व में गठबंधन सरकार बनाने के लिए पर्याप्त सीट हासिल कर पाएंगे या नहीं। योम किप्पुर यहूदी कैलेंडर में प्रायश्चित के दिन के रूप में चिह्नित है, जिसके तहत 25 घंटे का उपवास रखा जाता है।

अमेरिका में गांजा रखने या इस्तेमाल के लिए जेल नहीं जाना होगा

वॉशिंगटन । अमेरिका में एक सीमित मात्रा में गांजा रखने या इस्तेमाल के लिए जेल नहीं जाना होगा। साथ ही इस तरह के आरोपों के लिए सजा काट रहे लोगों को भी जेल से रिहा किया जाएगा। अमेरिकी राष्ट्रपति जो बाइडन ने मारिजुआना रखने के दोषी हजारों अमेरिकियों को क्षमादान दे दिया। इस तरह उन्होंने मध्यावधि चुनाव से एक महीने पहले अपने समर्थकों से किए गए वादे को पूरा किया। बाइडन ने कहा कि मैं साधारण रूप से मारिजुआना रखने के सभी पूर्व अपराधों के लिए क्षमा की घोषणा कर रहा हूं। हालांकि उन्होंने इस पूरी तरह अपराध से मुक्त करने का आह्वान नहीं किया।

उन्होंने कहा कि तस्करी और कम उम्र के लोगों को बिक्री पर सीमाएं बनी रहनी चाहिए। अमेरिका के कई प्रांतों में न सिर्फ मेडिकल उपयोग के लिए, बल्कि शौकिया उपयोग के लिए भी गांजा खरीदने की अनुमति लोगों को पहले से प्राप्त है। हाल के एक सर्वे में सामने आया था कि ज्यादातर अमेरिकियों का मानना है कि गांजे को लीगल होना चाहिए। बाइडन ने कहा कि मारिजुआना रखने के आरोप में लोगों को जेल भेजने से बहुत से लोगों की जिंदगी बर्बाद हो गई।

बाइडन ने कहा कि लोगों को इसतरह आचरण के लिए जेल भेज दिया गया जो कई राज्यों में अब प्रतिबंधित नहीं है। उन्होंने कहा कि नस्लीय अल्पसंख्यकों के गांजे के लिए जेल जाने की संख्या कहीं अधिक है। अमेरिकी राष्ट्रपति ने कहा कि मैं मारिजुआना के इस्तेमाल को लेकर बनी अपराध नीति में बदलाव करने के लिए तीन कदम उठाने जा रहा हूं। इसमें सबसे पहले संघीय कानून के तहत गांजा रखने के सभी आरोपियों को क्षमादान दिया जाता है।

हिजाब के विरोध में प्रदर्शन कर रही ईरानी महिलाओं का प्रियंका ने किया समर्थन

लॉस एंजेल्स। अभिनेत्री प्रियंका चोपड़ा जोनास ने ईरान की उन साहसी महिलाओं के प्रति समर्थन जताया है, जो 22 वर्षीय महसा अमीनी की मौत के मुद्दे पर विरोध प्रदर्शन कर रही हैं। प्रियंका (40) ने प्रदर्शनकारी ईरानियों के लिए 'इंस्टाग्राम' पर एक संदेश पोस्ट किया, जिसमें उन्होंने प्रदर्शनकारी महिलाओं की तारीफ की। अभिनेत्री ने लिखा मैं आपके साहस की तारीफ करती हूं। अपनी जान जोखिम में डालना, पितृसत्तात्मक व्यवस्था को चुनौती देना और अपने अधिकारों के लिए लड़ना आसान नहीं होता, लेकिन आप साहसी महिलाएं हैं जो हर दिन ऐसा कर रही हैं, चाहे इसकी कीमत कुछ भी हो।

उल्लेखनीय है कि सितंबर में ईरान की धर्माचार पुलिस ने हिजाब सही तरीके से नहीं पहनने के आरोप में अमीनी को हिरासत में ले लिया था, जिसके तीन दिन बाद उनकी मौत हो गई थी। अमीनी की मौत के खिलाफ देश के दर्जनों शहरों में विरोध प्रदर्शन शुरू हो गए और सरकार ने प्रदर्शनकारियों के खिलाफ कड़ी कार्रवाई की। प्रियंका ने दूसरे लोगों से भी प्रदर्शनकारियों की अपील सुनने और उनका समर्थन करने का अनुरोध किया। उन्होंने लिखा उन सभी लोगों को आगे आना चाहिए, जो दूसरों को प्रभावित कर सकते हैं। इस महत्वपूर्ण आंदोलन को अपनी आवाज दें। जानकारी रखें और आवाज उठाएं, ताकि इन आवाजों को अब चुप रहने के लिए मजबूर न किया जा सके। मैं आपके साथ खड़ी हूं।

बाढ़ की वजह से पाकिस्तान में बढ़े 90 लाख गरीब, जीडीपी में 2 फीसदी ग्रोथ की उम्मीद

इस्लामाबाद । भारत के पड़ोसी देश पाकिस्तान में विनाशकारी साबित हुई बाढ़ जहां अपने साथ कई बीमारियां लेकर आई वहीं, उसने एक बड़ी आबादी को वापस गरीबी रेखा के नीचे धकेल दिया। 22 करोड़ से अधिक की आबादी वाले पाकिस्तान में बाढ़ की वजह से 90 लाख लोगों को गरीबी रेखा से नीचे जीवनयापन करना पड़ रहा है। गुरुवार को आई वर्ल्ड बैंक की एक रिपोर्ट में दावा किया गया है कि जलवायु परिवर्तन से जुड़ी प्रलयंकारी बाढ़ ने 6 से 9 मिलियन पाकिस्तानियों को दो वक्त की रोटी का भी मोहताज बना दिया है।

विश्व बैंक ने जून 2023 को समाप्त होने वाले चालू वित्त वर्ष में पाकिस्तान की अर्थव्यवस्था के केवल 2फीसदी सालाना की दर से बढ़ने की उम्मीद जताई है। विश्व बैंक की इस रिपोर्ट में कहा गया है कि बाढ़ के प्रत्यक्ष परिणाम के रूप में पाकिस्तान की गरीबी दर 2.5 से 4 प्रतिशत अंक के बीच बढ़ने की उम्मीद है। गरीबी बढ़ने का कारण बाढ़ के कारण नौकरियों, पशुधन, फसल और घर के नुकसान को बताया गया है। वहीं बंद हुए कई स्कूलों के कारण शिक्षा पर भी बुरा प्रभाव पड़ने की बात कही गई है। उल्लेखनीय है कि एशियाई विकास बैंक के आंकड़ों के अनुसार, 2 करोड़ की आबादी के इस देश में कुछ 20 प्रतिशत पहले से ही गरीबी रेखा से नीचे जीवन यापन कर रहे हैं। ऐसे में बाढ़ के कारण 90 लाख लोगों के और गरीबी रेखा के नीचे आने से देश की मुश्किलों में इजाफा होना तय है। पाकिस्तान के लिए विश्व बैंक के कंट्री डायरेक्टर नाजी बेन्हासिन ने कहा कि हाल ही में आई बाढ़ से पाकिस्तान की अर्थव्यवस्था और गरीबों पर, ज्यादातर कृषि उत्पादन में व्यवधान के कारण काफी नकारात्मक प्रभाव पड़ने की आशंका है। उन्होंने सलाह दी कि पाकिस्तान के लिए कहीं अधिक महत्वपूर्ण होगा कि गरीबों को सावधानी से राहत दी जाए और राजकोषीय घाटे को स्थायी सीमाओं के भीतर सीमित रखा जाए।

बाढ़ के कारण पाकिस्तान में 1,700 से अधिक लोगों की जान चली गई तो वहीं 75 लाख लोग प्रभावित हुए हैं। अभी भी कई क्षेत्रों में लोग सूखी जमीन की तलाश में भटक रहे हैं। देश के जलवायु परिवर्तन मंत्री शेरी रहमान ने बताया कि 5,98,000 लोगों को आश्रय उपलब्ध कराए जाने के बावजूद 75 लाख प्रभावित लोग अब भी सूखी जमीन के लिए जद्दोजहद कर रहे हैं। उन्होंने कहा पाकिस्तान ने यह संकट पैदा नहीं किया है और वह अनचाहे ढंग से इसका शिकार हो गया है। हमें 20 लाख से अधिक परिवारों को आश्रय और जरूरी पारिवारिक वस्तुएं देने की जरूरत है।

बांजा लुका बोस्निया और हरजेगोविनिया में फर्जी मतदान के आरोप लगा विरोध प्रदर्शन करते हुए बोस्नियाई सर्ब।

कश्मीर में हायतौबा, उइगर मुस्लिमों के मामले में चुप्पी साध लेते हैं मुस्लिम देश

संयुक्त राष्ट्र । शिंजियांग के उइगर मुस्लिमों के खिलाफ क्रूरता की सारी हदें पार कर रहे चीनी को संयुक्त राष्ट्र के मानवाधिकार परिषद में नंगा करने की अमेरिकी कोशिशें नाकाम हो गई। अमेरिकी प्रस्ताव के समर्थन में 17 देश और इसके विरोध में 19 देशों ने वोट डाला। कांटे की लड़ाई में 11 देश अनुपस्थित रहे। इस वोटिंग के परिणाम सामने आने के बाद दुनियाभर में मुस्लिम देश निशाने पर आ गए हैं। अमेरिकी प्रस्ताव का विरोध करने वाले देशों में पाकिस्तान, दुनिया की सबसे बड़ी मुस्लिम जनसंख्या वाला देश इंडोनेशिया, कजाखस्तान, भारत को ज्ञान देने वाला कतर, संयुक्त अरब अमीरात जैसे मुस्लिम देश शामिल थे। इसमें से कई देश हैं, जो अक्सर कश्मीर और भारतीय मुस्लिमों को लेकर जहरीले बयान देते रहते हैं।

अब इन इस्लामिक देशों के दोमुंआपन की सोशल मीडिया में जमकर किरकिरी हो रही है। पाकिस्?तान, यूएई, कतर जैसे देशों की चाल से चीन को बहुत बड़ी जीत मिली है, वहीं पश्चिमी देशों को बड़ा झटका लगा है। पश्चिमी देशों का आरोप है कि चीन ने अपने शिंजियांग प्रांत में 10 लाख उइगर मुस्लिमों को कैद करके रखा हुआ है। पिछले दिनों संयुक्त राष्ट्र की एक रिपोर्ट में चीन की क्रूरता पर कई सवाल उठाए गए थे। अमेरिका ने आरोप लगाया है कि चीन शिंजियांग में जबरन लोगों से काम करा रहा है और नरसंहार कर रहा है।

यूरोप के 44 देशों के नेताओं ने सम्मेलन किया, रूस को अलग-थलग किया

न्यूयार्क। (एजेंसी)।

यूरोप के 44 देशों के नेताओं ने बृहस्पतिवार को यहां एक सम्मेलन कर यूक्रेन पर हमले को लेकर रूस के खिलाफ एकजुटता का संदेश दिया। इस हमले की वजह से ऊर्जा संकट व मंहगाई बढ़ी है तथा देशों की अर्थव्यवस्थाएं प्रभावित हुई हैं। 'यूरोपीयन पॉलिटिकल कम्युनिटी' का पहला सम्मेलन हुआ। इसमें यूरोपीय संघ (ईयू) के 27 सदस्य देशों के साथ-साथ बल्कान और पूर्वी यूरोप के मुल्क तथा ब्रिटेन और तुर्कीए शामिल हुए। यूरोप की एकमात्र प्रमुख शक्ति रूस को तथा बेलारूस को इसमें आमंत्रित नहीं किया गया।

बेलारूस ने यूक्रेन पर हमले को लेकर रूस का समर्थन किया था। आइसलैंड की प्रधानमंत्री कैटरीन जैकब्सडॉटिरो ने चेक गणराज्य के प्राग कैसल में पत्रकारों से कहा, 'आप यहां देखेंगे कि यूरोप यूक्रेन में रूस के हमले के खिलाफ एकजुटता से खड़ा है।' उनकेबेल्जियम के समकक्ष एलेक्ज़ेंडर डी क्रू ने कहा, 'यहां सिर्फ दो देशों को छोड़कर पूरा यूरोप महाद्वीप है। वे दो देश बेलारूस और रूस हैं। लिहाज़ा यह दिखाता है कि इन दो देशों को कितना अलग-थलग कर दिया गया है।'

लातविया के प्रधानमंत्री के कैरिन्स ने कहा कि यूक्रेन युद्ध का प्रभाव सभी देशों पर पड़ा है।

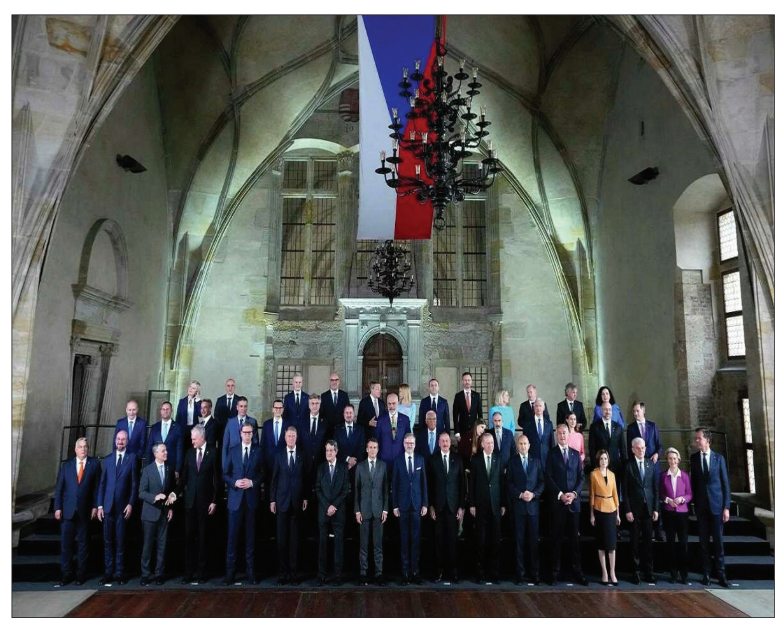

उन्होंने कहा, 'युद्ध ने सुरक्षा की दृष्टि से हमें प्रभावित किया है। इसकी वजह से ऊर्जा की कीमतें बढ़ी हैं और हमारी अर्थव्यवस्थाएं प्रभावित हुई हैं। इससे निपटने का सिर्फ एक ही रास्ता है कि हम सब मिलकर काम करें। सिर्फ यूरोपीय संघ को नहीं बल्कि यूरोप के सभी देशों को मिलकर साथ काम करने की ज़रूरत है।'

इस तरह का सम्मेलन करने का विचार फ्रांस के राष्ट्रपति एमैनुएल मैक्रों का है और इसका समर्थन जर्मन चांसलर ओलाफ़ स्कोल्ज़ ने किया है। यूक्रेन के प्रधानमंत्री डेनिस शमीहाल ने सम्मेलन में शिरकत की है जबकि यूक्रेन के राष्ट्रपति वोलोदिमीर ज़ेलेंस्की वीडियो लिंक के माध्यम से सम्मेलन को संबोधित कर सकते हैं।

'62 के क्यूबा मिसाइल संकट' के बाद परमाणु 'संघर्ष' का खतरा उच्चतम स्तर पर : बाइडन

न्यूयार्क। (एजेंसी)।

अमेरिका के राष्ट्रपति जो बाइडन ने कहा कि 1962 के क्यूबा मिसाइल संकट के बाद से परमाणु ''संघर्ष'' का जोखिम उच्चतम स्तर पर है, क्योंकि रूसी अधिकारी यूक्रेन में आठ महीने से जारी हमलों के दौरान बड़े पैमाने पर झटकों का सामना करने के बाद परमाणु हथियारों का इस्तेमाल करने की संभावना की बात करते हैं।

बाइडन ने डेमोक्रेटिक पार्टी के सीनेट प्रचार अभियान समिति के लिए चंदा एकत्रित करने के उद्देश्य से आयोजित एक कार्यक्रम में बृहस्पतिवार को कहा कि रूसी राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन ''जब परमाणु हथियारों या जैविक या रासायनिक हथियारों के उपयोग के बारे में बात करते हैं तब वह मजाक नहीं करते हैं।'' बाइडन ने कहा, ''हमने कैनेडी और क्यूबा मिसाइल संकट के बाद से संघर्ष की आशंका का सामना नहीं किया है।'' बाइडन ने रूसी परमाणु सिद्धांत को भी चुनौती दी और चेताया कि कम क्षमता वाले सामरिक हथियार का उपयोग जल्द ही नियंत्रण से बाहर होकर वैश्विक विनाश का कारण बन सकता है। कई महीनों से अमेरिकी अधिकारी इस आशंका को लेकर चेतावनी दे रहे हैं कि रूस यूक्रेन में सामूहिक विनाश के हथियारों का उपयोग कर सकता है क्योंकि उसे हाल में युद्ध में कई रणनीतिक असफलताओं का सामना करना पड़ा है।

अमेरिका ने अपने नागरिकों को पाक जाने की योजना पर पुनर्विचार करने को कहा

वॉशिंगटन (एजेंसी)।

अमेरिका ने अपने नागरिकों को आतंकवाद एवं सांप्रदायिक हिंसा की घटनाओं के मद्देनजर पाकिस्तान और खासकर उसके अशांत प्रांतों की यात्रा करने की योजना पर पुनर्विचार करने का परामर्श दिया है। अमेरिका के विदेश मंत्रालय ने गुरुवार को जारी एक यात्रा परामर्श में अपने नागरिकों से आतंकवाद और अपहरण की घटनाओं के कारण बलूचिस्तान और पूर्व संघ शासित कबायली क्षेत्र (एफएटीए) समेत खैबर पख्तूनख्वा (केपीके) प्रांत की यात्रा नहीं करने का आग्रह किया है।

अमेरिका ने 'स्तर-तीन' का परामर्श जारी करते हुए कहा है, आतंकवाद और सांप्रदायिक हिंसा के कारण पाकिस्तान की यात्रा पर पुनर्विचार करने की जरूरत है। कुछ इलाकों में खतरा बढ़ गया है। 'स्तर-तीन' की यात्रा चेतावनी तब जारी की जाती है, जब दीर्घकालिक या गंभीर स्थितियों के कारण यात्रियों और आगंतुकों को जोखिम होता है और जब गैर-जरूरी यात्रा से बचा जाना जरूरी समझा जाता है।

अमेरिका ने अपने नागरिकों को आतंकवाद और सशस्त्र संघर्ष की आशंका के कारण नियंत्रण रेखा (एलओसी) के आसपास के क्षेत्रों में भी यात्रा नहीं करने की सलाह दी है। परामर्श में कहा गया है आतंकवादी बहुत कम या बिना किसी चेतावनी के हमला कर सकते हैं। वे परिवहन केंद्रों, बाजारों, शॉपिंग मॉल, सैन्य प्रतिष्ठानों, हवाई अड्डों, विश्वविद्यालयों, पर्यटन स्थलों, स्कूलों, अस्पतालों, पूजा स्थलों और सरकारी सुविधाओं को निशाना बना सकते हैं। आतंकवादियों ने अतीत में अमेरिकी राजनयिकों और राजनयिक प्रतिष्ठानों पर हमले किए हैं।

व्यापक अनिश्चितता की ओर बढ़ रही है वैश्विक अर्थव्यवस्था: आईएमएफ एमडी

वाशिंगटन। (एजेंसी)।

आईएमएफ प्रमुख क्रिस्टलीना जॉर्जिवा ने चेतावनी देते हुए कहा कि वैश्विक अर्थव्यवस्था सापेक्षिक पूर्वानुमान से व्यापक अनिश्चितता की ओर बढ़ रही है। उन्होंने कहा कि वैश्विक अर्थव्यवस्था के एक तिहाई देशों को इस साल या अगले साल कम से कम दो तिमाहियों में संकुचन का सामना करना पड़ेगा। अंतरराष्ट्रीय मुद्रा कोष (आईएमएफ) और विश्व बैंक की वार्षिक बैठक से पहले यहां एक प्रमुख नीतिगत भाषण में आईएमएफ की प्रबंध निदेशक जॉर्जिवा ने बृहस्पतिवार को कहा कि अगले सप्ताह जारी होने वाले विश्व आर्थिक परिदृश्य में वैश्विक वृद्धि अनुमानों को और घटाया जाएगा।

उन्होंने कहा, हमने अपने वृद्धि अनुमानों को पहले ही तीन बार घटाकर 2022 के लिए 3.2 प्रतिशत और 2023 के लिए 2.9 प्रतिशत कर दिया है, और जैसा कि आप

अगले सप्ताह हमारे ताजा वैश्विक आर्थिक परिदृश्य में देखेंगे, हम अगले वर्ष के लिए वृद्धि अनुमानों को घटाएंगे। उन्होंने कहा, हम इस बात को इंगित करेंगे कि मंदी के जोखिम बढ़ रहे हैं। हमारा अनुमान है कि विश्व अर्थव्यवस्था के लगभग एक-तिहाई देश इस साल या अगले साल कम से कम लगातार दो तिमाहियों में संकुचन का सामना करेंगे। जार्जिवा ने कहा, कुल मिलाकर, हमारा अनुमान है कि इस समय से लेकर 2026 के बीच वैश्विक उत्पादन में लगभग चार लाख करोड़ डॉलर का नुकसान होगा। यह नुकसान जर्मनी की अर्थव्यवस्था के बराबर है और इस तरह यह विश्व अर्थव्यवस्था के लिए एक बड़ा झटका होगा। उन्होंने कहा कि हालात इससे अधिक बुरे भी हो सकते हैं। जॉर्जिवा ने कहा, ''चीजों के बेहतर होने के पहले और खराब होने की आशंका अधिक दिख रही है।'' इससे पहले आईएमएफ ने बृहस्पतिवार को कैलेंडर वर्ष 2023 में वैश्विक आर्थिक वृद्धि के लिए अपने पूर्वानुमान को एक बार फिर घटाते हुए कहा था कि 2026 तक विश्व अर्थव्यवस्था में चार लाख करोड़ डॉलर तक की गिरावट आ सकती है। जॉर्जिवा ने कहा कि यूक्रेन पर रूस के हमले के बाद वैश्विक अर्थव्यवस्था को लेकर आईएमएफ का परिदृश्य नाटकीय रूप से प्रभावित हुआ है। उन्होंने कहा कि दुनिया के कई देशों में इस युद्ध के बड़े प्रभावों को पहले से ही देखा जा रहा है।

संयुक्त राष्ट्र में चीन को मिला भारत का साथ! जानिए क्या है कारण, विपक्ष क्यों उठा रहा सवाल

संयुक्त राष्ट्र। (एजेंसी)।

संयुक्त राष्ट्र मानवाधिकार परिषद में चीन के अशांत जिनजियांग के हालात से जुड़े मसौदे के प्रस्ताव पर वोटिंग से भारत दूर रहा है। उइगर मुसलमानों के साथ व्यवहार मामले में चीन के खिलाफ ये प्रस्ताव लाया गया था। हालांकि, चीन के साथ सीमा पर तनाव के बावजूद भी भारत ने उसका साथ दिया है। भारत के चीन के खिलाफ प्रस्ताव पर मतदान से दूर रहा। मानवाधिकार समूह चीन के उत्तर-पश्चिमी चीनी प्रांत में मानवाधिकार हनन की घटनाओं को लेकर सालों से आवाज उठाते रहे हैं। चीन पर आरोप लगाया गया है कि 10 लाख से ज्यादा कोई घरों को उनकी इच्छा के खिलाफ हिरासत में रखा गया है। भारत और 10 अन्य देशों ने मतदान से दूरी बनाया जिसके कारण चीन के खिलाफ लाए गए प्रस्ताव खारिज हो गया।

जानकारी के मुताबिक भारत, ब्राजील, मैक्सिको और यूक्रेन सहित 11 देशों ने मतदान में हिस्सा नहीं लिया। मसौदा प्रस्ताव का विषय था- ''चीन के जिनजियांग उइगर स्वायत्त क्षेत्र में मानवाधिकारों की स्थिति पर चर्चा।'' हालांकि यह प्रस्ताव पूरी तरह से खारिज हो गया। यह मसौदा प्रस्ताव कनाडा, डेनमार्क, फिनलैंड, आइसलैंड, नॉर्वे, स्वीडन, ब्रिटेन और अमेरिका के एक कोर समूह द्वारा पेश किया गया था, और तुर्की सहित कई देशों ने इसे सह-प्रायोजित किया था। ह्यूमन राइट्स वॉच में चीन की निदेशक सोफी रिचर्डसन ने एक बयान में कहा कि अपने इतिहास में पहली बार, संयुक्त राष्ट्र के शीर्ष मानवाधिकार निकाय ने चीन के जिनजियांग क्षेत्र में मानवाधिकार की स्थिति पर बहस करने के प्रस्ताव पर विचार किया। चीन में उइगरों और अन्य मुस्लिम बहुल समुदायों के खिलाफ मानवाधिकारों के उल्लंघन के गंभीर आरोपों को 2017 के अंत से संयुक्त राष्ट्र मानवाधिकार कार्यालय और संयुक्त राष्ट्र मानवाधिकार तंत्र के ध्यान में लाया जाता रहा है।

47 सदस्यीय परिषद में इस प्रस्ताव का गिरना अमेरिका व पूरी पश्चिमी देशों के लिए बहुत बड़ा झटका माना जा सकता है। पश्चिम देशों को इस बात की उम्मीद थी कि चीन के खिलाफ लाए गए इस प्रस्ताव में उन्हें भारत का साथ मिलेगा। लेकिन ऐसा नहीं हुआ। दरअसल, भारत शुरु से कहता रहा है कि यूएनएचआरसी जैसे संगठन में किसी देश को निशाना बनाना सही नहीं है। भारत को इस बात की भी आशंका रहती है कि भविष्य में उसके खिलाफ इस तरह के प्रस्ताव पेश किए जा सकते हैं। पाकिस्तान आए दिन जम्मू कश्मीर का मुद्दा उठाता रहता है। यही कारण है कि सीमा पर तनाव के बावजूद भी भारत ने चीन का परोक्ष रूप से साथ दिया है। इसको लेकर राजनीति भी शुरू हो गई है।

कांग्रेस सांसद मनीष तिवारी ने ट्वीट कर लिखा कि 'चीन पर इतनी झिझक क्यों? भारत सरकार चीनी घुसपैठ पर संसदीय बहस के लिए सहमत नहीं होगी। UNHRC में शिनजियांग में मानवाधिकार पर बहस के लिए लाए प्रस्ताव से भारत दूर रहेगा। विदेश मंत्रालय सांसदों को ताइवान जाने के लिए राजनीतिक मंजूरी नहीं देगा।' वहीं शिवसेना सांसद प्रियंका चतुर्वेदी ने कहा कि हिंदी चीनी भाई-भाई। लाल आंख से लेकर बंद आंख तक का सफर।

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

सार समाचार

उद्धव की शिवसेना ने शिंदे का उड़ाया मजाक, कहा- दशहरा रैली में पढ़ी मोदी-शाह चालीसा

मुंबई। उद्धव ठाकरे के नेतृत्व वाली शिवसेना ने महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे की दशहरा रैली को भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) समर्थित कार्यक्रम करार देते हुए शुक्रवार को यह कहकर मजाक उड़ाया कि शिंदे ने अपने भाषण के दौरान मोदी-शाह चालीसा पढ़ी। उद्धव नीत शिवसेना ने शिंदे के नेतृत्व वाले अलग हुए गुट को नकली शिवसेना भी करार दिया। शिवसेना के मुखपत्र सामना में छपे एक संपादकीय लेख में पार्टी ने दावा किया कि शिंदे खेमा ने बांद्रा कुर्ला कॉम्प्लेक्स (बीकेसी) में आयोजित दशहरा रैली पर 50 करोड़ रुपये से 100 करोड़ रुपये खर्च किए होंगे। इस रैली में समर्थकों को लाने-ले जाने के लिए लगभग 2,000 बस बुक की गईं और कार्यक्रम में शामिल हुए दो लाख से अधिक लोगों को भोजन कराया गया। उद्धव नीत शिवसेना ने कहा, बीकेसी की रैली भाजपा समर्थित कार्यक्रमों में से एक थी। इस रैली पर खर्च की गई धनराशि का उपयोग कुछ विधायकों को खरीदने के लिए किया गया होगा। यह कार्यक्रम एक फैशन शो और एक सौंदर्य प्रतियोगिता की तरह था। जब से शिंदे और शिवसेना के अन्य विधायकों ने पार्टी नेतृत्व के खिलाफ बगावत की, उद्धव ठाकरे गुट उन्हें यह कहते हुए निशाना बना रहा है कि प्रत्येक बागी विधायक ने 50 खोके लिए अर्थात 50 करोड़ रुपये लिए। सामना में छपे संपादकीय लेख के मुताबिक रैली शिवसेना के नाम पर आयोजित की गई थी, लेकिन यह भाजपा के एक कार्यक्रम की तरह ही थी, क्योंकि अपने भाषण में नकली शिवसेना के प्रमुख नेता (शिंदे) ने मोदी-शाह चालीसा (प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और गृह मंत्री अमित शाह की तारीफ करते हुए) को पढ़ा। दशहरा की शाम शिवसेना के दोनों धड़ों ने विशाल रैलियां कीं। ठाकरे ने जहां दादर इलाके के शिवाजी पार्क में अपनी रैली को संबोधित किया, वहीं शिंदे ने बीकेसी में एक विशाल जनसभा को संबोधित किया। शिवसेना के 39 विधायक, 12 सांसद शिंदे के खेमे में आ गए हैं। इसके अलावा 10 निर्दलीय विधायकों का भी उन्हें समर्थन प्राप्त है।

जम्मू-कश्मीर में इस साल पर्यटकों की संख्या ने 75 सालों का रिकॉर्ड तोड़ डाला

श्रीनगर। जो लोग कहते थे कि जम्मू-कश्मीर से अनुच्छेद 370 हटाये जाने पर आग लग जायेगी, खून की नदियां बह जायेंगी उन्हें देश के लोगों ने तगड़ा जवाब दे दिया है। 370 हटने के बाद विभिन्न केंद्रीय योजनाओं का लाभ मिलने से जहां केंद्र शासित प्रदेश के लोग बेहद खुश हैं वहीं सुरक्षा हालात में बदलाव आने के चलते देशभर के पर्यटक जम्मू-कश्मीर की यात्रा कर रहे हैं। जम्मू-कश्मीर में यात्रा चाहे धर्मस्थलों की हो या फिर कश्मीर की वादियों की, पर्यटक बस खिंचे चले आ रहे हैं। जम्मू-कश्मीर में पर्यटकों की आवक इतनी बढ़ी है कि पिछले सभी रिकॉर्ड टूट गये हैं। जी हाँ, इस साल अब तक रिकॉर्ड 1 करोड़ 62 लाख पर्यटकों ने जम्मू-कश्मीर की यात्रा की, जो आजादी के बाद से यानि पिछले 75 वर्षों में सबसे अधिक है। यह आंकड़ा केंद्र शासित प्रदेश के संपूर्ण विकास और बदलाव का सबसे बड़ा गवाह है। देखा जाये तो तीन दशकों के बाद कश्मीर लाखों पर्यटकों को आकर्षित कर रहा है। पर्यटन विशेषज्ञों का तो यहां तक कहना है कि मोदी सरकार के कार्यकाल में कश्मीर में पर्यटन के स्वर्ण युग की वापसी हो गयी है। अभी तक सरकार से जुड़े लोग जम्मू-कश्मीर के विकास के दावे किया करते थे लेकिन अब पर्यटन क्षेत्र से जुड़े लोग भी कह रहे हैं कि जम्मू-कश्मीर आने वाले पर्यटकों की रिकॉर्ड संख्या केंद्र शासित प्रदेश में हुए समग्र विकास और बदलाव को दर्शाती है। उल्लेखनीय है कि पर्यटन जम्मू-कश्मीर में रोजगार का सबसे बड़ा स्रोत है, ऐसे में पर्यटकों की बढ़ी तादाद ने यहां के लोगों को रोजगार के अनेकों अवसर मुहैया कराये हैं। इसके अलावा इस साल अमरनाथ यात्रियों की संख्या के भी पिछले रिकॉर्ड टूट गये और 3 लाख 65 हजार से ज्यादा अमरनाथ यात्री आये थे। हम आपको बता दें कि पर्यटन क्षेत्र की इस उपलब्धि का जिक्र केंद्रीय गृहमंत्री अमित शाह ने भी अपनी हालिया जम्मू-कश्मीर यात्रा के दौरान किया था।

विपक्ष का मोदी सरकार पर आरोप, चीन पर इतनी झिझक क्यों?

नई दिल्ली । संयुक्त राष्ट्र मानवाधिकार परिषद (यूएनएचआरसी) में भारत ने चीन के शिनजियांग हालात से जुड़े मसौदा प्रस्ताव पर वोट नहीं दिया। अंतरराष्ट्रीय पटल पर भारत के इस कदम पर सियासत शुरू हो गई है। कांग्रेस और शिवसेना सांसदों की तरफ से भारत के वोट नहीं देने पर सवाल उठाए गए हैं। पूछा गया है कि जब चीन की बात आती है, तब इतनी झिझक क्यों होती है।

कांग्रेस सांसद मनीष तिवारी ने ट्वीट किया, 'चीन पर इतनी झिझक क्यों? भारत सरकार चीनी घुसपैठ को लेकर संसदीय बहस के लिए तैयार नहीं होगी। भारत यूएनएचआरसी में शिनजियांग में मानवाधिकार पर बहस के लिए लाए प्रस्ताव से दूर रहेगा। विदेश मंत्रालय सांसदों को ताइवान जाने के लिए राजनीतिक मंजूरी नहीं देगा। वहीं, शिवसेना सांसद प्रियंका चतुर्वेदी का कहना है, 'हिंदी-चीनी भाई-भाई। लाल आंख से लेकर बंद आंख तक का सफर।'

दरअसल 47 सदस्यीय परिषद में चीन के शिनजियांग में मानवाधिकार की स्थित पर बहस के लिए मसौदा प्रस्ताव लाया गया था। अब परिषद के 19 सदस्यों ने इसके खिलाफ मतदान किया और 17 समर्थन में रहे। जबकि, भारत के अलावा अर्जेंटीना, आर्मेनिया, बेनिन, ब्राजील, गाम्बिया, लीबिया, मलावी, मलेशिया, मैक्सिको, यूक्रेन ने मतदान नहीं किया।

केजरीवाल ने लगाया केंद्र सरकार पर आरोप, सिसोदिया के खिलाफ सबूत ढूंढने के लिए 300 से अधिक अधिकारी लगाए गए

नयी दिल्ली। प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) के दिल्ली की आबकारी नीति से जुड़े कथित धन शोधन मामले में शुक्रवार को नए सिरे से छापेमारी करने के बाद मुख्यमंत्री अरिवंद केजरीवाल ने कहा कि मनीष सिसोदिया के खिलाफ सबूत ढूंढने के लिए 300 से अधिक अधिकारी लगाए गए हैं, लेकिन अभी तक कुछ नहीं मिला है, क्योंकि उन्होंने कुछ किया ही नहीं है। केजरीवाल ने कहा कि 'गंदी राजनीति' के कारण ईडी और केंद्रीय अन्वेषण ब्यूरो (सीबीआई) के सैकड़ों अधिकारियों का समय बर्बाद किया जा रहा है। आधिकारिक सूत्रों के अनुसार, ईडी के अधिकारी आबकारी नीति से जुड़े कथित धन शोधन मामले में दिल्ली, पंजाब और हैदराबाद में 35 स्थानों पर छापेमारी कर रहे हैं। केजरीवाल ने ट्वीट किया, ''500 से ज्यादा छापे, तीन महीनों से सीबीआई/ईडी के 300 से ज्यादा अधिकारी 24 घंटे लगे हुए हैं... एक मनीष सिसोदिया के खिलाफ सबूत ढूंढने के लिए... कुछ नहीं मिल रहा, क्योंकि कुछ किया ही नहीं।'' उन्होंने कहा, ''अपनी गंदी राजनीति के लिए इतने अधिकारियों का समय बर्बाद किया जा रहा है। ऐसे देश कैसे तरक्की करेगा?'' दिल्ली आबकारी नीति 2021-22 के क्रियान्वयन में कथित अनियमितताओं के मामले में सीबीआई द्वारा दर्ज की गई प्राथमिकी में दिल्ली के उपमुख्यमंत्री मनीष सिसोदिया का नाम बतौर आरोपी दर्ज है।

मुलायम की हालत अब भी नाजुक आईसीयू में भर्ती

नई दिल्ली । उत्तर प्रदेश के पूर्व मुख्यमंत्री मुलायम सिंह यादव की तबीयत अभी भी नाजुक है। इस दौरान उनका इलाज हरियाणा के गुरुग्राम जिले में स्थित मेदांता अस्पताल में चल रहा है। अस्पताल ने बुलेटिन जारी कर बताया है कि उनकी हालत अब भी गंभीर बनी हुई है और वह जीवन रक्षक दवाओं पर हैं। जहां मेदांता अस्पताल में ही विशेषज्ञ डॉक्टरों की टीम सपा संरक्षक का इलाज कर रही है। फिलहाल वे आईसीयू में भर्ती है। बता दें कि मुलायम सिंह यादव की तबीयत अचानक बीते 2 अक्टूबर को ज्यादा खराब हो गई थी। दरअसल, 82 साल के मुलायम सिंह यादव काफी दिनों से बीमार चल रहे हैं, मगर, बीते पांच दिन पहले ज्यादा तबियत खराब होने के बाद उन्हें गुरुग्राम स्थित मेदांता अस्पताल के आईसीयू में भर्ती कराया गया था। जहां पर उनके बेटे पूर्व मुख्यमंत्री अखिलेश यादव समेत परिवार के सभी लोग इस समय दिल्ली में मौजूद हैं। इस बीच यूपी के डिप्टी सीएम बृजेश पाठक ने मेदांता पहुंचकर मुलायम सिंह का हाल जाना है। उन्होंने कहा कि उत्तर प्रदेश सरकार नेताजी की सेहत को लेकर काफी चिंतित है। उन्होंने कहा कि डॉक्टरों और परिवार के सदस्यों से बातचीत की है। साथ ही उन्होंने विश्वास जताते हुए कहा कि बहुत जल्द मुलायम सिंह यादव स्वस्थ हो जाएंगे। गौरतलब है कि, मुलायम सिंह को जीवन रक्षक दवाइयां दी जा रही हैं। फिलहाल उन्हें आईसीयू में शिफ्ट करने के बाद से सपा के कार्यकर्ता लगातार अस्पताल पहुंच रहे हैं।

60 बच्चों की मौत के बाद जानलेवा सिरप के खिलाफ गाम्बिया डोर टू डोर कैंपेन शुरू

लोगों से सिरप नहीं इस्तेमाल करने को कहा जा रहा

नई दिल्ली (एजेंसी)।

गाम्बिया में 60 से ज्यादा बच्चों की मौत के बाद भारतीय कप सिरप को लेकर विश्व स्वास्थ्य संगठन ने चेतावनी जारी की थी। इसके बाद गाम्बिया ने भारत की ओर से निर्मित इन कफ सिरप को जानलेवा बताकर डोर टू डोर कैंपेन शुरू कर दिया है। इस कैंपेन में लोगों से इस कफ सिरप को तुरंत हटाने की बात कही जा रही है। रिपोर्ट के अनुसार, गाम्बिया में हेल्थ डायरेक्टर मुस्तफा बिट्टाये ने सभी बच्चों की मौत के कारणों की पुष्टि करते हुए बताया कि इन सभी बच्चों की मौत किडनी की गंभीर दिक्कतों की वजह से हुई है।

डब्ल्यूएचओ के महानिदेशक टेड्रोस एडनॉम घेब्येयियस ने कहा, ÷डब्ल्यूएचओ ने गाम्बिया में मिली इन चार दूषित दवाइयों को लेकर एक मेडिकल प्रोडक्ट अलर्ट जारी किया गया है, जो किडनी की गंभीर दिक्कतों और यहां हुई 66 बच्चों की मौत से जुड़ा हुआ है।

उन्होंने कहा,युवाओं की मौत उनके परिवारवालों के लिए दिल दहला देने वाली बात है। डब्ल्यूएचओ ने अलर्ट जारी कर कहा कि अभी सिर्फ गाम्बिया में ही इन चारों उत्पादों के बारे में पता चला है लेकिन हो सकता है कि ये सभी उत्पाद अनौपचारिक तरीकों से बाकी देशों और क्षेत्रों में भी वितरित किए गए हों। इसके बाद डब्ल्यूएचओ ने सभी देशों को सुझाव देते हुए कहा है कि इन चारों उत्पादों को वितरित होने से रोका जाए ताकि लोगों की जानों को बचाया जा सके।

इन चारो सिरप कंपनियों के डाइरेक्टर्स में से एक नरेश कुमार गोयल ने कहा कि, हम स्थिति का पता लगाने की कोशिश कर रहे हैं। हम खरीदार के साथ मिलकर यह पता लगाने की कोशिश कर रहे हैं कि वास्तव में क्या हुआ है। हम भारत में कुछ भी नहीं बेच रहे हैं।

'एक व्यक्ति, एक सीट' पर लड़े चुनाव, ईसीआई ने कानून मंत्रालय को फिर भेजा प्रस्ताव

नई दिल्ली (एजेंसी)।

नए मुख्य चुनाव आयुक्त राजीव कुमार के आने के बाद 'एक व्यक्ति एक सीट' नियम लागू करने के प्रस्ताव पर निर्वाचन आयोग का काफी जोर है। पहली बार 2004 में यह प्रस्ताव इलेक्शन कमीशन ने केंद्र सरकार को भेजा था, लेकिन 18 साल में इस नियम को लागू करने के संबंध में कुछ प्रगति नहीं हो सकी है। यानी यह प्रस्ताव ठंडे बस्ते में पड़ा रहा। निर्वाचन आयोग ने नए सिरे से इस नियम को लागू करवाने पर जोर दिया है। मुख्य चुनाव आयुक्त राजीव कुमार ने एक बार फिर यह प्रस्ताव विचार के लिए केंद्र के पास भेजा है। साथ ही केंद्रीय कानून मंत्रालय के साथ इस मुद्दे पर ईसी की चर्चा जारी है।

चुनाव में 'एक व्यक्ति एक सीट' नियम लागू करने के लिए लोक प्रतिनिधित्व अधिनियम-1951 में बदलाव करना होगा। वर्तमान में जनप्रतिनिधित्व कानून के सेक्शन 33 (7) में मौजूद नियमों के अनुसार एक व्यक्ति दो सीटों से चुनाव लड़ सकता है। जब 2004 में पहली बार निर्वाचन आयोग ने केंद्र सरकार के पास 'एक व्यक्ति एक सीट' का प्रस्ताव भेजा था, तो तर्क दिया था कि अगर एक व्यक्ति 2 सीटों से चुनाव लड़ता है और दोनों जगह से जीतने के बाद एक सीट खाली करता है तो उपचुनाव कराने में फिर खर्च आता है। एक तरह से यह पैसे का दुरुपयोग है। इसे देखते हुए सीट छोड़ने वाले निर्वाचित उम्मीदवार को सरकार के अकाउंट में एक निश्चित रकम जमा करने का नियम बनाने की सिफारिश ईसी ने की थी। 'एक व्यक्ति एक सीट' के प्रस्ताव के पीछे निर्वाचन आयोग का तर्क है कि इससे उपचुनाव की नौबत नहीं आएगी और सरकारी कोष पर पड़ने वाले वित्तीय भार को कम किया जा सकेगा। कुछ वर्ष पहले किसी भी प्रत्याशी के एक से अधिक सीट से चुनाव लड़ने के खिलाफ सर्वोच्च न्यायालय में दायर याचिका पर अपना पक्ष रखते हुए चुनाव आयोग ने 'एक उम्मीदवार-एक सीट' पर चुनाव लड़ने का समर्थन किया था।

देश में माहौल चिंताजनक है, सांप्रदायिक सद्भाव बिगड़ रहा: अशोक गहलोत

जयपुर। (एजेंसी)।

राजस्थान के मुख्यमंत्री अशोक गहलोत ने कहा है कि ''लोकतंत्र के खतरे में होने और सांप्रदायिक सद्भाव बिगड़ने'' के कारण देश में ''माहौल चिंताजनक'' है। गहलोत ने जयपुर में एक कार्यक्रम के दौरान एक बहुप्रतीक्षित एलिवेटेड रोड का बृहस्पतिवार शाम को उद्घाटन किया और उसका नाम बदलकर 'भारत जोड़ो सेतु' रखा। उन्होंने इस कार्यक्रम में कहा कि यह नाम देशभर में एक सकारात्मक संदेश देगा।

आंबेडकर सर्कल के पास एलआईसी बिल्डिंग को अजमेर रोड से जोड़ने वाली 2.8 किलोमीटर लंबी इस सड़क को पहले सोडाला एलिवेटेड रोड के नाम से जाना जाता था। यह कार्यक्रम ऐसे समय पर आयोजित किया गया, जब कांग्रेस की 'भारत जोड़ो यात्रा' जारी है। गहलोत ने कहा, ''भारत जोड़ो यात्रा शांति और एकता का संदेश दे रही है। देश में माहौल चिंताजनक है, लोकतंत्र खतरे में है और सांप्रदायिक सौहार्द बिगड़ रहा है। ऐसे में इसे 'भारत जोड़ो सेतु' कहना पूरे देश में सकारात्मक संदेश देगा।'' उन्होंने कहा कि सड़क न केवल दो जगहों को जोड़ती है, बल्कि दिलों को भी जोड़ती है। गहलोत ने कहा कि 'भारत जोड़ो यात्रा' का मकसद देश से नफरत को दूर करना, एक दूसरे के दिल में प्यार बढ़ाना और भाईचारे को बढ़ावा देना है। उन्होंने कहा, ''इस यात्रा को यादगार बनाने के लिये इस एलिवेटेड रोड का नाम 'भारत जोड़ो सेतु' रखा गया है।''

250 करोड़ रुपये की लागत से निर्मित इस सड़क से जयपुरवासियों को आवागमन में बड़ी राहत मिलेगी। गहलोत ने 222 करोड़ रूपए की लागत की छह अन्य परियोजनाओं का भी शिलान्यास किया। इस सड़क से 22 गोदाम, हवा सड़क और संडीला तिराहा पर लगने वाले जाम से काफी राहत मिलेगी। आंबेडकर सर्कल से 22 गोदाम सर्कल और हवा सड़क होते हुए सोडाला सब्जी मंडी पहुंचने में करीब 20 से 25 मिनट का समय लगता है। इस एलिवेटेड रोड के खुलने के बाद इस दूरी को तय करने में महज 10 मिनट का समय लगेगा।

दूसरा धर्म अपनाने वालों को एससी का दर्जा देने पर विचार के लिए केंद्र ने बनाया आयोग

नई दिल्ली । केंद्र ने पूर्व प्रधान न्यायाधीश के जी बालकृष्णन की अध्यक्षता में आयोग गठित किया है, जो उन लोगों को अनुसूचित जाति का दर्जा देने के मामले का परीक्षण करेगा, जिनका ऐतिहासिक रूप से अनुसूचित जाति से संबंध है, लेकिन जिन्होंने राष्ट्रपति के आदेशों में उल्लिखित धर्मों के अलावा किसी अन्य धर्म को अपना लिया है। सामाजिक न्याय और अधिकारिता मंत्रालय द्वारा जारी गजट अधिसूचना के अनुसार, तीन सदस्यीय आयोग में सेवानिवृत्त आईएएस अधिकारी डॉ. रविंदर कुमार जैन और विश्वविद्यालय अनुदान आयोग (यूजीसी) की सदस्य प्रोफेसर सुषमा यादव भी शामिल हैं। आयोग संविधान के अनुच्छेद 341 के तहत समय-समय पर जारी राष्ट्रपति के आदेशों के अनुरूप मामले की जांच करेगा। मौजूदा अनुसूचित जातियों पर निर्णय -अगर अमल में आता है तो- के निहितार्थों की भी आयोग जांच करेगा। इसके अलावा, इन लोगों के अन्य धर्मों में परिवर्तित होने के बाद, रीति-रिवाजों, परंपराओं और सामाजिक भेदभाव और अभाव की स्थिति में बदलाव पर भी ध्यान दिया जाएगा।

अमित शाह की मौजूदगी में 25 हजार किलोग्राम मादक पदार्थ नष्ट किया जाएगा

गुवाहाटी। (एजेंसी)।

स्वापक नियंत्रण ब्यूरो (एनसीबी) द्वारा चलाए गए एक बड़े अभियान के तहत जब्त किये गए लगभग 25,000 किलोग्राम मादक पदार्थ को शनिवार को केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह की मौजूदगी में नष्ट किया जाएगा। शाह यहां 'मादक पदार्थ की तस्करी और राष्ट्रीय सुरक्षा' पर एक क्षेत्रीय बैठक की अध्यक्षता भी करेंगे, जिसमें पूर्वोत्तर क्षेत्र में मादक पदार्थ संबंधी स्थिति और इस पर अंकुश लगाने के तरीकों पर चर्चा की जाएगी। इस बैठक में पूर्वोत्तर के सभी राज्यों के मुख्यमंत्री और पुलिस महानिदेशक (डीजीपी) हिस्सा लेंगे।

एनसीबी यहां शनिवार को करीब 11,000 किलोग्राम मादक पदार्थ नष्ट करेगा। एक अधिकारी ने बताया कि इसके अतिरिक्त, लगभग 13,675 किलोग्राम जब्त मादक पदार्थ (हेरोइन, गांजा, कोडीन कफ सिरप, नशीली गोलियां) को असम (2,531 किलोग्राम) और त्रिपुरा (11,144 किलोग्राम) द्वारा नष्ट किया जाएगा। उन्होंने बताया किलगभग 25,000 किलोग्राम मादक पदार्थ नष्ट किया जाएगा। समाज को नशा मुक्त बनाने की नरेंद्र मोदी सरकार की प्रतिबद्धता को प्रदर्शित करते हुए गृह मंत्रालय के तहत काम करने वाला एनसीबी जब्त मादक पदार्थ को नष्ट करने के लिए एक जून से एक विशेष अभियान चला रहा है। आजादी के अमृत महोत्सव के मौके पर एनसीबी ने तय किया था कि 75 दिनों के इस विशेष अभियान के दौरान एनसीबी की सभी क्षेत्रीय इकाइयों द्वारा 75 हजार किलोग्राम मादक पदार्थ नष्ट किया जाएगा। एक अन्य अधिकारी ने बताया कि एनसीबी ने समयसीमा से काफी पहले, केवल 60 दिनों में इस लक्ष्य को हासिल कर लिया और मादक पदार्थ के इस्तेमाल के खिलाफ लड़ाई के संबंध में देश के प्रति अपनी प्रतिबद्धता दोहरायी। अधिकारी ने बताया कि 30 जुलाई तक करीब 82,000 किलोग्राम जब्त मादक पदार्थ नष्ट किया गया। इसी अभियान के तहत 30 जुलाई को चंडीगढ़ में आयोजित राष्ट्रीय सम्मेलन में गृह मंत्री ने एनसीबी की विभिन्न क्षेत्रीय इकाइयों द्वारा 31,000 किलोग्राम नशीले पदार्थ को नष्ट करने की प्रक्रिया डिजिटल माध्यम से शुरू की थी।

'हिंदू देवी देवताओं को नहीं मानूंगा' शपथ पर घिरे केजरीवाल के मंत्री, अब हमलावर हुई भाजपा

नई दिल्ली (एजेंसी)।

दिल्ली सरकार के मंत्री राजेंद्र पाल गौतम अब मुश्किलों में घिरते नजर आ रहे हैं। दरअसल, राजेंद्र पाल गौतम बौद्ध महासभा में शामिल हुए थे। इसी को लेकर भाजपा अब सवाल उठा रही है। भाजपा नेताओं का दावा है कि दिल्ली सरकार के मंत्री ने हिंदुओं के इष्ट देवताओं का अपमान किया है। बौद्ध महासभा के आयोजन पर ही सवाल उठाए जाने लगे हैं। खबर तो यह भी है कि दिल्ली के मुख्यमंत्री और आम आदमी पार्टी के संयोजक अरविंद केजरीवाल भी राजेंद्र पाल गौतम से नाराज हैं। दरअसल, दिल्ली सरकार के समाज कल्याण मंत्री राजेंद्र पाल गौतम बौद्ध महासभा के आयोजन में शामिल हुए थे। इसी में हिंदू देवी देवताओं को नहीं मानने की शपथ दिलाई गई खुद राजेंद्र पाल गौतम स्टेज पर मौजूद थे और शपथ ले रहे थे।

सोशल मीडिया पर भाजपा यह वीडियो लगातार साझा कर रही है। भाजपा प्रवक्ता हरीश खुराना ने कहा कि यह है आम आदमी पार्टी का दोगलापन। जिस राज्य में चुनाव होते है वहाँ अरविंद केजरीवाल और उनके गुर्गे, जय श्री राम और जय श्री कृष्ण कहते थकते नहीं। लेकिन जहाँ सत्ता में होते है वहाँ उनके मंत्री (खुद सुनिए) कैसे हमारे इष्ट देवताओं का अपमान करते है। ग़ज़ब है केजरीवाल। उन्होंने दावा किया कि मंत्री है रजिंदर गौतम। और आज ही हम इसके ख़िलाफ़ पुलिस में कम्प्लेन करवाने जा रहे है। किसी को कोई हक़ नहीं किसी दूसरे धर्म का अपमान करे। वहीं भाजपा के फायर ब्रांड नेता कपिल मिश्रा ने भी एक ट्वीट किया है। उन्होंने लिखा कि केजरीवाल का मंत्री दिल्ली में हिंदुओं को, हिंदू देवी देवताओं को गाली दे रहा है और केजरीवाल गुजरात में जय श्री कृष्णा बोलने का ढोंग कर रहा है। मुफ्त का सामान देकर गरीब हिंदुओं का धर्म परिवर्तन कराने वाली एजेन्सी बन गयी हैं आम आदमी पार्टी।

इसके अलावा मनोज तिवारी ने भी एक वीडियो शेयर किया है और लिखा कि इतना हिंदू विरोधी क्यों है आप? हिंदू धर्म के ख़िलाफ़ शपथ ले भी रहे है और दिला भी रहे है ये आप के मंत्री। दिल्ली भाजपा अध्यक्ष आदेश गुप्ता ने कहा कि एक बार फिर आप का हिंदू विरोधी चेहरा बेनकाब..अरविंद केजरीवाल के मंत्री लोगों से शपथ दिलवा रहे हैं कि मैं किसी ब्रह्मा, विष्णु, महेश को नहीं मानूंगा! तो फिर चुनाव के दौरान मंदिरों में क्या दर्शाने के लिए जाते हो? क्या हिंदू धर्म इतना चुभता है 'आप' की आंखों में? इतनी नफरत क्यों? भाजपा सांसद प्रवेश वर्मा ने लिखा कि केजरीवाल के मंत्री राजेन्द्र पाल सार्वजनिक रूप से हिंदू देवी देवताओं का अपमान कर कर रहे हैं। करें भी क्यू ना जब केजरीवाल ही ईश्वर को अपमानित करने में कोई कसर नहीं छोड़ता, केजरीवाल का ईश्वर प्रेम महज दिखावा है और किसी और को खुश करने के लिए हिंदू देवी देवताओं का अपमान किया जाता है।

विजय दशमी पर दिल्ली की वायु गुणवत्ता खराब श्रेणी में पहुंची

नयी दिल्ली। (एजेंसी)।

विजय दशमी पर दिल्ली की वायु गुणवत्ता 'खराब' श्रेणी में पहुंच गई थी। हालांकि, भारतीय उष्णकटिबंधीय मौसम विज्ञान संस्थान (आईआईटीएम) की प्रारंभिक चेतावनी प्रणाली ने राष्ट्रीय राजधानी में वायु गुणवत्ता के 'मध्यम' से 'संतोषजनक' श्रेणी में रहने का पूर्वानुमान लगाया था। आईआईटीएम के अधिकारियों ने बताया कि उन्होंने पांच अक्टूबर को तापमान, हवा की गति और पराली जलाने से हुए उत्सर्जन जैसे मापदंडों में कोई खास बदलाव नहीं देखा था, ऐसे में 'हाइपरलोकल' उत्सर्जन से वायु गुणवत्ता प्रभावित हुई होगी।

उन्होंने बताया कि 'हाइपरलोकल' यानी स्थानीय स्तर पर हुए उत्सर्जन का संभावित स्रोत दशहरा और एक राजनीतिक विरोध के दौरान बड़ी संख्या में जलाए गए पुतलों से निकला धुआं हो सकता है। दिल्ली में बुधवार को वायु गुणवत्ता के 'खराब' श्रेणी में पहुंचने के बाद राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र (एनसीआर) के अधिकारियों को 'ग्रेडेड रिस्पांस एक्शन प्लान' (जीआरएपी) के पहले चरण के तहत उपायों को सख्ती से लागू करने को कहा गया था, जिसमें प्रदूषण के लिए जिम्मेदार औद्योगिक इकाइयों के खिलाफ सख्त दंडात्मक कार्रवाई करना भी शामिल है।

जीआरएपी में प्रतिकूल वायु गुणवत्ता के चार अलग-अलग चरण हैं। वायु गुणवत्ता सूचकांक (एक्यूआई) के 201 से 300 के बीच यानी 'खराब' श्रेणी में होने पर प्रथम चरण लागू किया जाता है। वहीं, एक्यूआई के 301 से 400 के बीच यानी 'बहुत खराब' श्रेणी में होने पर दूसरा चरण,401 से 450 के बीच 'गंभीर' श्रेणी में होने पर तीसरा चरण और 450 से अधिक यानी 'अत्यधिक गंभीर' श्रेणी में होने पर चौथा चरण लागू किया जाता है। केंद्रीय प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड (सीपीसीबी) द्वारा बुधवार शाम करीब चार बजे जारी किए गए '24 घंटे के एक्यूआई बुलेटिन' के अनुसार, दिल्ली में वायु गुणवत्ता 211 यानी 'खराब' श्रेणी में रही थी, जो एक दिन पहले मंगलवार को 150 दर्ज की गई थी।

आंकड़ों के मुताबिक, बुधवार को गाजियाबाद में एक्यूआई 248, फरीदाबाद 196, ग्रेटर नोएडा में 234, गुरुग्राम में 238 और नोएडा में 215 था। आंकड़ों के अनुसार, राष्ट्रीय राजधानी में बृहस्पतिवार को हवा की अनुकूल दिशा और गति के चलते वायु गुणवत्ता में सुधार हुआ और यह 179 एक्यूआई के साथ 'संतोषजनक' श्रेणी में पहुंच गई। दिल्ली के लिए आईआईटीएम की प्रारंभिक वायु गुणवत्ता चेतावनी प्रणाली के मुताबिक, अगले छह दिनों तक राष्ट्रीय राजधानी में वायु गुणवत्ता के काफी हद तक 'संतोषजनक' श्रेणी में रहने की संभावना है।

स्वामी, मुद्रक व् प्रकाशक : सुरेश मौर्या द्वारा अष्ट विनायक ओफ़्सेट एफपी,149 प्लोट 26 खोडीयारनगर,सिद्धिविनायक मंदीर के पास , (भाटेना) हो.सो अंजना सुरत गुजरात से मुद्रित एवं 191 महादेव नगर उधना सुरत गुजरात से प्रकाशित संपादक :सुरेश मौया (M) 9879141480 RNI No.:GUJHIN/2018/751000 (Subject to Surat jurisdiction)

क्रांति समय

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

महिला के साथ अश्लील वीडियो वायरल होने के बाद भाजपा नेता पार्टी से सस्पैंड

क्रांति समय,सूरत
www.krantisamay.com
www.epaper.krantisamay.com

सूरत जिला भाजपा प्रमुख ने बारडोली तहसील पंचायत के सत्तापक्ष के नेता और सुमूल डेयरी के डिरेक्टर अजित पटेल को पार्टी की प्राथमिक सदस्यता से सस्पैंड कर दिया है। अजित पटेल का एक महिला के साथ अश्लील वीडियो वायरल हुआ था, जिसकी वजह से पार्टी की काफी किरकिरी हुई थी। इस घटना को गंभीरता से लेते हुए सूरत जिला भाजपा प्रमुख संदीप देसाई ने अजीत पटेल को पार्टी की प्राथमिक एवं सक्रिय सदस्यता से तत्काल प्रभाव से सस्पैंड कर दिया है। बता दें कि कुछ दिन पहले अजित पटेल का एक महिला के साथ अश्लील वीडियो सोशल मीडिया में वायरल हुआ था। वीडियो में अजित पटेल एक निर्वस्त्र महिला को अपनी बाहों में जकड़कर एक-दूसरे को चुंबन कर रहे थे। वायरल वीडियो देख भाजपा समेत

सुमूल डेयरी के पदाधिकारी भी स्तब्ध रह गए थे। जिसके बाद खरवासा गांव में बैठक कर अजित पटेल को गांव की दूध समिति से इस्तीफा देने को कहा गया। सुमूल डेयरी में खसवासा दूध समिति का प्रतिनिधित्व करने वाले अजित पटेल की महिला के साथ रंगरेलियां सोशल मीडिया पर वायरल होने से राजनीति भी शुरूहो गई।

फिलहाल भाजपा ने अजित पटेल को पार्टी से सस्पैंड कर पूरे मामले को रफादफा करने का प्रयास किया है। लेकिन कांग्रेस यह मौका छोड़ने के मूड में नहीं है।

इस घटना को लेकर सूरत जिला कांग्रेस महिला मोर्चा बारडोली प्रांत अधिकारी एक ज्ञापन देकर उचित कार्यवाही की मांग करेगी।

'यू आर डीलिंग इन ड्रग्स' कहकर एक महिला समेत तीन विधवाओं से रंगदारी वसूल की

क्रांति समय,सूरत
www.krantisamay.com
www.epaper.krantisamay.com

सूरत की शिवनगर सोसाइटी ऑफ पांडेसरा में, मैं पुलिस की आड़ में एक विधवा के घर में घुस गया और खुद को डीसीपी क्राइम बताकर उसे ड्रग के मामले में फंसाने की धमकी दी। रु 70 हजार हड़पने जा रही महिला को लोगों ने पकड़कर पांडेसरा पुलिस के हवाले कर दिया है. जबकि उसके दो साथी भागने में सफल रहे।

पांडेसरा हाउसिंग के पास शिवनगर सोसाइटी में रहने वाली और घर का काम करके अपनी आजीविका चलाने वाली विधवा अलका प्रह्लाद पाटिल ने दरवाजा खटखटाकर घर में प्रवेश किया तभी नकाब पहने एक महिला और दो पुरुष पुलिस के लोगो वाली काली और सफेद शर्ट में दरवाजा खटखटाकर घर में दाखिल हुए।

रु 3 लाख की मांग की थी

महिला से मैं हूं हर्ष डी.सी.पी. क्राइम और हम क्राइम ब्रांच से आ रहे हैं, यह कहकर चेकिंग करने लगे कि हमें आपके घर की जांच करनी है और मोबाइल फोन में फोटो भी खींची। हर्ष को चेक करने के दौरान आप यहां ड्रग का धंधा कर रहे हैं, केस नहीं करना चाहते तो रु 3 लाख देना होगा नहीं तो केस दर्ज कराकर जेल जाऊँगा। अलका हम कोई गलत धंधा नहीं कर रहे हैं, हम एक ही परिवार के सदस्य हैं, आप हमें क्यों परेशान कर रहे हैं? हालांकि खुद को डीसीपी क्राइम बताने वाले हर्षा ने कहा कि पैसे नहीं मिले तो पुलिस केस करेंगे, गाड़ी नीचे खड़ी है. अलका 70 हजार रुपये देकर भागने लगी । 20 हजार दिए गए। लेकिन तीनों इस रुपये की राशि में समझौता नहीं करेंगे, एक और रुपये। 50 हजार देना होगा। अलका के मिन्नत करने के बावजूद तीनों पैसे की मांग करते रहे, आखिरकार अलका ने रुपये के गहने गिरवी रख दिए। कुल मिलाकर 50 हजार रु 70 हजार दिए गए। पैसा हाथ में आते ही तीनों भागने लगे। इसलिए अल्कान को शक हुआ। तो लोगों की भीड़ जमा हो गई और ठग महिला हर्ष लवजी चौटिया को पकड़ लिया जिसने खुद को डीसीपी बताया और उसे पुलिस के हवाले कर दिया। जबकि उसके दो साथी लालू और पार्थ भागने में सफल रहे।

पति ने अन्य पुरुष के साथ नाजायज संबंधों की आशंका खूबसूरत पत्नी की हत्या कर दी

क्रांति समय,सूरत
www.krantisamay.com
www.epaper.krantisamay.com

राजकोट के जेतपुर में एक शख्स ने अपनी खूबसूरत पत्नी को अन्य पुरुष के साथ नाजायज संबंधों की आशंका में मौत के घाट उतार दिया। पत्नी की हत्या कर पति फरार हो गया। मृतक विवाहिता के चचेरे भाई की शिकायत के आधार पर पुलिस ने मामला दर्ज कर आरोपी की तलाश शुरू की है। घटना राजकोट जिले के जेतपुर स्थित महादेव साडी फिनिशिंग फैक्ट्री की है। जहां बीते दिन श्रमिक आवास से एक विवाहित महिला शव बरामद हुआ था। फैक्ट्री में काम करने वाले श्रमिक वहीं रहते थे। जिसमें बिहार निवासी त्रिलोकीराम चमार भी शामिल है जो अपनी पत्नी मनीषा और उसके चचेरे भाई सुनील चमार के साथ रहता था। त्रिलोकी ही नहीं बिहार के कई श्रमिक फैक्ट्री में काम करते थे और वर्करों के क्वार्टर में रहते थे। नवरात्रि के वक्त फैक्ट्री में काम करने वाले ज्यादातर श्रमिक गरबा देखने गए थे और वहां से लौटने के बाद अपने अपने क्वार्टर में सो गए। एक क्वार्टर में रहनेवाली ईंदू नामक महिला ने त्रिलोकीराम का कमरा बंद देखा। सुबह उठी तब भी कमरा बंद देख उसे संदेह हुआ और उसने मनीषा के चचेरे भाई सुनील बुलाया और कमरे का दरवाजा खुलवाया। कमरे में मनीषा का शव पड़ा हुआ था, लेकिन त्रिलोकीराम वहां नहीं था। जिसके बाद फैक्ट्री मालिक और पुलिस को घटना की जानकारी दी गई। शव के पोस्टमार्टम में मनीषा की गला घोंटकर हत्या की गई होने का खुलासा हुआ। सुनील ने जब अपने बहनोई त्रिलोकीराम को फोन किया था उसने कहा कि वह मनीषा का मुंह नहीं देखना चाहता। त्रिलोकीराम के इस जवाब से उससे यह बात पुख्ता हो गई कि मनीषा की उसी ने हत्या की थी। मनीषा और त्रिलोकी की हाल ही में शादी हुई थी और दोनों की उम्र भी ज्यादा नहीं है। मनीषा के खूबसूरत होने की वजह से त्रिलोकी को संदेह था कि उसकी पत्नी के किसी अन्य पुरुष के साथ नाजायज संबंध हैं। जिसकी वजह से त्रिलोकी ने मनीषा की गला घोंटकर हत्या कर दी और फरार हो गया। जेतपुर पुलिस ने त्रिलोकी के खिलाफ हत्या का मामला दर्ज कर उसकी तलाश शुरूकी है।

सूरत के लिंबायत में असामाजिक तत्वों का आतंक, दुकान में तोड़फोड़ व मारपीट,घटना सीसीटीवी में कैद

क्रांति समय,सूरत
www.krantisamay.com
www.epaper.krantisamay.com

सूरत के लिंबायत इलाके में असामाजिक तत्वों ने एक बिजली की दुकान में तोड़फोड़ की. साथ ही दुकानदार को पीटा गया है जिसके लिए लिंबायत थाने में शिकायत दर्ज कराई गई है। पूरी घटना दुकान के सीसीटीवी में कैद हो गई, जिसके आधार पर लिंबायत पुलिस ने आगे की जांच की है।

लिंबायत में असामाजिक तत्वों द्वारा की गई तोड़फोड़, लिंबायत में एक बिजली की दुकान पर असामाजिक तत्वों ने हमला किया है। असामाजिक तत्वों ने दुकान में घुसकर दुकानदार के साथ मारपीट की।

मेरी दुकान में कैमरा स्टैंड से तोड़फोड़ की गई। तीन असामाजिक तत्वों ने दुकान में घुसकर दुकानदार के साथ मारपीट की। इतना ही नहीं दुकान का टीवी भी तोड़ दिया

और दुकान में रखे सामान में तोड़फोड़ की। इसके अलावा कैमरा स्टैंड से लगने से दुकान मालिक की आंख के निचले हिस्से में भी चोट आई है। पूरी घटना सीसीटीवी कैमरे में कैद हो गई।

पुलिस ने मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। नितेश कुमार जायसवाल सूरत के गोददरा इलाके में रहते हैं और इलेक्ट्रिक में काम करते हैं। उन्होंने पूरी घटना को लेकर लिंबायत थाने में शिकायत दर्ज कराई है। बताया गया है कि भरत सिंह, अंकित और जीतू दुकान में घुस गए। इस पूरे मामले में लिंबायत पुलिस ने मामला दर्ज कर जांच शुरूकर दी है।

अमरोली में पुलिस ने औचक तलाशी अभियान चलाया।

क्रांति समय,सूरत
www.krantisamay.com
www.epaper.krantisamay.com

सूरत में पिछले कुछ दिनों से असामाजिक तत्वों द्वारा बढ़ती हिंसा और अपराध को

देखते हुए सूरत पुलिस एक्शन मोड पर आ गई है। आगामी दीपावली पर्व को ध्यान में रखते हुए संवेदनशील क्षेत्रों में पुलिस द्वारा विशेष ध्यान दिया जा रहा है। जिसके तहत सूरत पुलिस के जोन 5 क्षेत्रों में वरिष्ठ पुलिस अधिकारियों द्वारा औचक तलाशी अभियान चलाया गया। पुलिस ने चार घंटे में 254 मामले दर्ज किए और सभी के खिलाफ एहतियाती कदम उठाए।

सूरत पुलिस की औचक जांच

सूरत शहर के पुलिस आयुक्त द्वारा सभी संवेदनशील थानों के अधिकारियों को सूरत शहर में अपराधियों और असामाजिक गतिविधियों के खिलाफ कड़ी कार्रवाई करने के विशेष निर्देश दिए गए हैं. चूंकि कुछ दिनों से शहर में अपराध का ग्राफ बढ़ता ही जा रहा है। हत्या, लूट, मारपीट जैसी घटनाएं सामने आ रही हैं। इसके लिए विशेष पुलिस एक्शन मोड पर आ गई है, जिसके तहत जोन 5 के तहत सबसे संवेदनशील अमरोली थाना क्षेत्र में पुलिस का एक बड़ा औचक तलाशी अभियान चलाया गया. जिसमें पुलिस ने अमरोली थाने के अलग-अलग इलाकों में पुलिस की अलग-अलग टीमें गठित कर औचक निरीक्षण किया.